हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 14 जनवरी 2024

तापमान
अधिकतम 16.0 डिग्री
न्यूनतम 6.0 डिग्री

10 धावक सोनू ने नेशनल में जीता गोल्ड मेडल

10 हर घर कांग्रेस कार्यक्रम को लेकर किया मंथन

खबर संक्षेप

बिजली शिकायतों की सुनवाई 17 जनवरी को

जींद। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा हिसार जोन के तहत आने वाले जिला हिसार, भिवानी, सिरसा, जींद, चरखी दादरी और फतेहाबाद के बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई 17 को सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक मुख्य अभियंता, परिचालन, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम, विद्युत नगर, हिसार के कार्यालय में की जाएगी।

कार से टक्कर मारकर टांग तोड़ने का आरोप

कैथल। कैथल के नए बस स्टैंड के पास अज्ञात कार चालक ने एक व्यक्ति को टक्कर मारकर उसकी टांग तोड़ दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गांव भैणी माजरा निवासी रवि ने सिविल लाइन थाना में शिकायत दी कि 12 जनवरी को वह उसके चाचा सुरजीत के साथ बस स्टैंड कैथल से छोटू राम चौक की तरफ जा रहा था।

वसूली के लिए एक मुश्त व्यवस्थापन स्कीम शुरू

जींद। उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त डा. अनिरूद्ध शर्मा (जीएसटी) ने बताया कि हरियाणा आबकारी एवं कराधान विभाग की ओर से संस्थानों, व्यवसायियों में रह रही बकाया राशि की वसूली में तेजी लाने और कानूनी कार्रवाई कम करने के उद्देश्य से एक मुश्त व्यवस्थापन स्कीम नामक योजना लागू की गई है।

दुकान से मोटर-कबाड़ चोरी का मुकदमा दर्ज

कैथल। दो मामलों में चोर दुकान से मोटरें व कबाड़ और खेतों से तार व सिलेंडर चोरी कर ले गए। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पहले मामले में गांव टयोंठा के कंवरपाल ने पूंडरी थाना में शिकायत दी कि 11 जनवरी को रात के समय अज्ञात आरोपी गांव स्थित उसकी दुकान का शटर तोडकर बिजली की मोटरें व पुराना कबाड़ चोरी कर ले गए।

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण

नरवाना। कस्बे की संत रविदास बस्ती में श्रीराम मंदिर में होने जा रह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर घर-घर निमंत्रण दिया जा रहा है। बस्ती संयोजक राजेश व सह संयोजक वरुण ने बताया कि बस्ती में श्रीराम मंदिर के लिए घर-घर निमंत्रण व संपर्क अभियान जोरों पर है। जिसमें मातृशक्ति भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं।

मारपीट-धमकी देने का लगाया आरोप

कैथल। मारपीट व धमकी देने के दो मामलों में पुलिस ने छह के खिलाफ केस दर्ज किया है। पहले मामले में गांव देवीगढ़ के सतबीर ने शहर थाना में शिकायत दी कि 10 जनवरी को रात करीब साढ़े 11 बजे वह अपने दोस्त तेग कैरों के साथ आंबेडकर चौक कैथल पर गया था। वहां पर आरोपी विक्की, सीलू, ओमबीर पहलवान, सूबा व टोकला ने आपसी कहासुनी के चलते उनसे झगड़ा किया।

बैट्री चोरी के दो आरोपित गिरफ्तार

कैथल। थाना सीवन क्षेत्र से टावर से बीबीयू उपकरण तथा बैटरी चोरी करने के मामले की जांच स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट पुलिस के एएसआई गुरदान सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव खेड़ी गुलाम अली निवासी बिट्टू राम तथा न्यू तारापुरी मेरठ यूपी निवासी सब्बीर अली को गिरफ्तार कर लिया गया।

वार्षिक पुरस्कार के लिए 20 तक आवेदन आमंत्रित

कैथल। उत्तर प्रदेश शासन की योजना के अन्तर्गत राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए उत्तर प्रदेश के राज्यकर्मियों को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली प्रदेश की भाषाओं / बोलियों में मौलिक एवं दीर्घकालीन साहित्यिक सेवा के लिए पुरस्कार हेतु 20 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

खून निकल रहा था...फिर भी मुंह से निकल रहा था जय श्री राम

स्कूल बंक कर कार सेवा में पहुंचे थे अयोध्या, अपने जीते जी भव्य राम मंदिर बनते देखना बेहद सुखद : चौहान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

आज अयोध्या में जो राम मंदिर बना है, उस राम मंदिर के लिए न जाने कितने असंख्य रामभक्तों ने अपना खून बहाया होगा। इस बात की सच्चाई कभी किसी के सामने भी नही आई लेकिन जो उस दौरान मौजूद थे और उन्होंने वहां रामभक्तों का खून बहते देखा, वो सब जानते हैं। फिर महीनों छुप कर राम भक्तों ने अपनी जान बचाई। जब भी यह बात आज याद की जाती है तो सिहर उठते हैं। ऐसा ही कुछ बताते हैं जयति-जयति हिंदू महान संगठन के राष्ट्रीय संयोजक अतुल चौहान। अतुल चौहान ने बताया कि तब वो स्कूल में थे और श्रीराम मंदिर निर्माण को लेकर एक जुनून था। बचपन से ही उनमें श्री राम मंदिर के लिए एक जुनून था। तब जब भी उन्हें कहीं अखबार मिलता था तो वो श्री राम मंदिर को लेकर समाचार अवश्य पढ़ते थे। जानकारों से जानकारी हासिल करते थे। पहली कार सेवा 30 अक्टूबर 1990 और दूसरी कार सेवा 20 नवंबर 1990 को हुई थी। उन्होंने स्कूल से बंक किया और रामभक्तों के साथ हो लिए थे। दूसरी कार सेवा के समय हजारों राम भक्तों का जत्था जब राम मंदिर की तरफ जाने लगा तो पास ही हनुमान गढ़ी के पास सेना को बुला कर उन पर गोलियां चलवा दी गई। गोलियां रामभक्तों में पैरों में न चला कर सीधे छाती में मारी जा रही थी। उस दौरान बस नजर आ रहा था तो खून ही खून और गोली लगने के बाद की चीख पुकार। इस घटना में कई लोग शहीद भी हो गए थे। इस दौरान रामभक्त केवल जय श्री राम से वहां की जगह को गुंजायमान कर रहे थे। बर्बरता इतनी थी कि जो भी मिल रहा था उसी पर वार किया जा रहा था।

रामभक्तों का बलिदान व्यर्थ नही

अतुल चौहान बताते हैं कि रामभक्तों का बलिदान अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने के लिए व्यर्थ नही गया। अब अयोध्या में राम मंदिर बन गया है और 22 को प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। उनकी तरह न जाने कितने गुमनाम लोगों ने राम मंदिर के लिए खून बहाया है। आज उन्हें इस बात से खुशी होती है कि वो जीते जी राम मंदिर बनते देख है।

22 को 1000 दियों से जगमग होगा रानी तालाब

22 जनवरी को श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा है तो उन्होंने इसे लेकर विशेष तैयारियां की हैं। बस अड्डा के सामने जैन धर्मार्थ अस्पताल में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। रानी तालाब पर एक हजार से अधिक घी के दिये जलाए जाएंगे। इसके अलावा एक हजार से भी अधिक ध्वज उन्होंने बनवाए हैं, जिन्हें हर घर पर फहराया जाएगा।

हर अंजान को किया जा रहा था गिरफ्तार

राम भक्तों पर गोलियां चलाने के बाद सभी राम भक्त इधर-उधर अपने आपको बचाने के लिए छुप गए। स्थानीय प्रशासन और सेना के जवान हर घर की तलाशी ले रहे थे और हर अंजान व्यक्ति को पकड़ कर गिरफ्तार किया जा रहा था और उसे शारीरिक व मानसिक यातनाएं दी जा रही थी। इस दौरान वो घायल हुए थे और एक मंदिर के पास छुपे रहे। बस परवर ही उन्हें खाने को मिला। यहां अतुल चौहान बताते हैं कि इतना सब कुछ होने के बाद भी उनका हौंसला कभी टूटा नही। उन्हें किसी तरह दिन में एक बार खाना मिल जाता था। काफी समय बाद स्थिति सामान्य लगी तो वो अयोध्या से निकलने में कामयाब हुए।

सूर्य तथा बादलों के बीच चला अटखेलियों का दौर

पूर्व की तरफ से चली ठंडी हवा से ठिठुर रहे लोग,जनजीवन प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शीत लहर के चलते हाड जमा देने वाली ठंड से शनिवार को जनजीवन अस्त रहा। दोपहर तक धुंध तथा कोहरा छाया रहा। बाद में सूर्य व बादलों के बीच अटखेलियां चलती रही। हलकी धूप भी खिली। न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। पूर्व की तरफ से चली ठंडी हवा से लोगों की दिनभर कंपकपी छुटती रही। धुंध तथा कोहरे के कारण यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। वाहन एक-दूसरे के पीछे लाइट जला कर चलते देखे गए। ठंड से बचने के लिए लोगों को अलाव सेकते देखे गया। शनिवार को अधिकतम 13 तो न्यूनतम तापमान चार डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 72 प्रतिशत तो हवा की गति छह किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल ठंड से राहत मिलने के आसार नही हैं। मौसम शुष्क तथा परिवर्तनशील बना रहेगा। आंशिक बादलवाई भी देखने को मिलेगी। पिछले चार दिनों से धुंध तथा कोहरे से कुछ राहत मिली थी लेकिन शनिवार को दिन का आगाज घनी धुंध तथा कोहरे के साथ हुआ। हालात यहां तक रहे कि पांच मीटर दूर का भी दिखाई नही दे रहा था। वाहन एक-दूसरे के पीछे लाइट जला कर चलते देखे गए। शीतलहर का असर जनजीवन पर साफ देखने को मिला। हवा कि गति कुछ तेज हुई तो दोपहर तक धुंध तथा कोहरा छंट गया। जिसके बाद धूप निकली तो आंशिक बादलवाई उसका राह रोकती रही। दिनभर मौसम काफी ठंडा बना रहा ओर कडाके की ठंड को देखते हुए लोग देरी से घरों से बाहर निकले तथा कामकाज निपटा कर जल्दी घरों को लौट गए।

दोपहर तक धुंध तथा कोहरा छाया, यातायात व्यवस्था प्रभावित

जींद। सुबह के समय छाई धुंध। फोटो :हरिभूमि

जींद। ठंड से बचने के लिए अलाव सेकते लोग। फोटो :हरिभूमि

पशुओं में दूध की गिरावट आई

पिछले एक पखवाडे से कडाके की ठंड पड़ रही है। सूर्य भी बहुत कम दिखाई दे रहा है। जिसका जनजीवन पर तो असर है, दुधारू पशुओं पर भी पड रहा है। ठंड के कारण पशुओं में दूध की गिरावट आई है। जिसके चलते दूध में दस से बीस प्रतिशत उत्पादन कम हुआ है। पशुपालक बिजेंद्र ने बताया कि ठंड बहुत ज्यादा है। धूप नहीं निकल रही है। जहां पशु बंधते हैं वह भी गीला रहता है। बाहर बांधने पर पशुओं को ठंड लगने का खतरा बना रहता है। जिसके चलते दूध का उत्पादन भी कम हो गया है।

अभी ओर सताएगी ठंड

मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल ठंड से राहत मिलने के अभी कोई आसार नही हैं। मौसम शुष्क तथा परिवर्तनशील बना हुआ है। तापमान में थोडा बहुत उतार चढाव चलता रहेगा। आकाश में आशिक बादलवाई भी बनी रहेगी। हवा कि गति दस से 11 किलोमीटर प्रति घंटा के बीच बनी रहेगी। अधिकतम तापमान भी 12 से 14 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान छह से आठ डिग्री के बीच बने रहने की संभावना है। इस दौरान धुध तथा कोहरे का असर भी देखने को मिलेगा। पांडू पिंडारा कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि मौसम शुष्क तथा परिवर्तनशील बना हुआ है। ठंड से राहत मिलने के अभी आसार नही हैं। तापमान मे हलका उतार चढाव हो सकता है। धुंध तथा कोहरे के साथ आंशिक बादलवाई भी बनी रहेगी। किसान फसलों में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर कृषि विशेषज्ञों से संपर्क कर उपचार करें।

युवक ने सुसाइड नोट लिखकर लगाया फंदा

चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

■ ट्रेडिंग करवाने के नाम पर करोड़ों रुपये ठगी का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

ट्रेडिंग करवाने के नाम पर कुछ आरोपियों द्वारा करोड़ों रुपये ठगी से तंग आकर एक 30 वर्षीय युवक ने सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या कर ली। मामले का खुलासा तब हुआ जब युवक के परिजनों ने उसका मोबाइल चैक किया और रिकॉर्डिंग व संदेश पढ़े। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिा है। वार्ड नंबर 13 कलायत की रोशनी देवी ने पुलिस को शिकायत दी कि उसका लडका अंशुल गुप्ता अविवाहित था। उसने करीब 10-12 साल से एचडीएफसी बैंक कलायत के पास किसान सेवा केंद्र के नाम से पेस्टीसाइड दवाइयों की दुकान की हुई थी। दुकान का मालिक अंशुल खुद था। 13 जनवरी को वह अपने नए मकान पर थी। उसे दोपहर के समय सूचना मिली कि अंशुल ने दुर्गा मार्केट के पास बने पुराने मकान में फांसी लगाकर कर आत्महत्या कर ली है। वह अपने परिवार व पड़ोसियों के साथ अपने पुराने मकान में पहुंची तो पाया कि अंशुल ने मकान में बने कमरे में फांसी लगाई हुई थी। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी और पुलिस मौके पर आ गई। पुलिस ने उसे लडके अंशुल की तालाशी ली तो उसकी जेब मे सुसाइड नोट मिला। इसमें अंशुल ने लिखा था कि मैं आत्महत्या कर रहा हूँ मेरी मौत का कोई जिम्मेवार नहीं है। इस संबंध में पुलिस ने उसके देवर अग्रसेन कॉलोनी कैनाल रोड नरवाना निवासी रविंद्र के ब्यान पर कार्यवाही की। फिर उसने अपनी बेटी अनिका गुप्ता की सहायता से अंशुल के मोबाइल का लॉक खोलकर उसकी व्हाट्सएप चैटिंग पढ़ी व रिकॉडिंग को सुना तो अंशुल ने अपने मोबाइल क्रूए, बीबी डिपोजिट, बीबीबीबी नाम से सेव नंबरों व एक अन्य पर अपने हाथ से लिखित पत्र भेजा हुआ था। इसमें अंशुल ने लिखा हुआ कि मेरी मौत का कारण आज ये चार लोग हैं। उन्होंने आज मेरे 242000 रुपये खाए हैं।

जांच जारी

जांच अधिकारी बलवान सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

चोर बेखौफ, एडीजे के मकान समेत चार स्थानों पर टूट ताले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

■ नगदी, घरेलू समान समेत अन्य सामान को चोरी कर ले गए चोर

जिले में चोरों के हौंसले इतने बुलंद हैं कि एडीजे के घर समेत चार मकानों को निशाना बनाते हुए नगदी समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर चोरी के मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामलों की जांच कर रही है। एडीजे नेहा नौरिया के नौकर अमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने अर्बन एस्टेट स्थित एडीजे नेहा नौरिया के मकान का ताला तोड़ कर लेपटॉप, स्कूल बैग में रखी कुछ किताबें, सात-आठ जैकेट, जिसमें से एक जैकट में लगभग पांच हजार रुपये की नगदी थी, एक हेड फोन को चोरी कर लिया। घटना के दौरान एडीजे कार्यवश बाहर गई हुई थी। सिविल लाइन थाना पुलिस ने अमित की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भटनागर कालोनी निवासी शमशेर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सेक्टर नौ में मकान का निर्माण कर रहा है। बीती रात चोरों ने मकान से लिफ्ट मशीन तथा अन्य सामान को चोरी कर लिया। चोरी का सुबह उस समय पता चला जब वह निर्माण स्थल पर पहुंचा। सिविल लाइन थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। गाव खरल निवासी जिले सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने उसके पशुबाड़े का ताला तोड़ कर उसकी भैंस को चोरी कर लिया। चोरी की घटना का सुबह उस समय पता चला जब वह पशुओं को चारा डालने पहुंचा। गढ़ी थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार-बाइक की भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत

पूंडरी। कस्बा पुंडरी में शनिवार को कार और बाइक के बीच हुई भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने सबका पोस्टमार्टम करवा उसके परिजनों को सौंप दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार फतेहपुर का 50 वर्षीय रमेश कुमार शनिवार को बाइक पर सवार होकर कस्बा पुंडरी के करनाल रोड स्थित अपने खेतों में जा रहा था। जैसे ही वह कैथल करनाल रोड पर पहुंचा तो कैथल से आ रही एक कार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीष्ण थी कि सड़क पर गिरते ही रमेश की मौत हो गई। उसे तुरंत कैथल के सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत करार दे दिया। समाचार लिखे जाने तक पुलिस कार्रवाई जारी थी।

मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ जताया रोष

■ कर्मचारियों को दो फाड़ कर राजनीति करना चाहती है सरकार : किताब सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी वेलफेयर एसो. की बैठक जाट धर्मशाला में शनिवार को हुई। इसकी अध्यक्षता प्रधान किताब सिंह भनवाला ने की। बैठकी शुरुआत में प्रेम सिंह चहल और राम रतन अध्यापक के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया गया। इसके बाद किताब सिंह भनवाला ने कहा कि 11 को ज्वायंट एक्शन कमेटी रिटायर्ड कर्मचारी हरियाणा की अध्यक्ष मंडल की बैठक थी। अध्यक्ष मंडल के सदस्य कुलभूषण शर्मा ने बताया कि बैठक में सेवानिवृत कर्मचारियों की मांगों पर सरकार के उपेक्षा पूर्ण रवैया के चलते सरकार के व्यवहार की आलोचना की गई और कर्मचारियों को बहकाने का आरोप भी लगाया। किताब सिंह भनवाला ने कहा कि कैशलेस के नाम पर कर्मचारियों को दो फाड़ करके सरकार अपनी राजनीति करना चाहती हैए जिसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकारी तंत्र द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि सरकारी कर्मचारियों को कैशलेस सुविधा दे दी गई जबकि वास्तविकता यह है कि कुछ कर्मचारी जिनकी वार्षिक आय तीन लाख है, उनको आयुष्मान कार्ड के तहत ही सुविधा दी गई है। बैठक में फैसला लिया कि 'वाइट एक्शन कमेटी की 27 जनवरी को रोहतक में होने वाली बैठक में सरकार के खिलाफ निर्णायक आंदोलन की घोषणा की जाएगी। यदि सरकार ने कोई बात नहीं मानी तो सरकार को वोट की चोट से इसका जवाब दिया जाएगा। इस अवसर पर जरनैल सिंह सांगवान, देवराज नांदल, रामनाथ धीमान, मिया सिंह खटकड़, महेंद्र जागलान, दलबीर सिंह रेढू, ओमसिंह सांगवान, हवा सिंह अहलावत, परवार बूरा, रघबीर सिंह, करण सिंह मलिक, पृथ्वी सिंह मोर, उमेद ढांडा मौजूद रहे।

धर्मशाला में बैठक करते रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी वेलफेयर एसो.सदस्य।

घर में घुसकर जानलेवा हमला, मुकदमा दर्ज

नरवाना। घर में घुस कर जानलेवा हमला करने वाले 27 हमलावरों के खिलाफ शहर पुलिस नरवाना ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस को दी शिकायत में कुलदीप पुत्र राजपाल वासी गांव दबलैन ने बताया कि वह अब मौके पर संगम बिहार नरवाना में अपने परिवार के साथ रहता है। घर पर वह और उसका दोस्त अंकित व दो बच्चे व पत्नी मौजूद थे कि रात को बजे शीली, अशोक चहल, संदीप उर्फ डीसी, नीतिश दनौदा, सतीश चहल, सतपाल, मोदी चहल रात व अन्य बीस व्यक्ति दो कारों में उनके घर नरवाना पर आ गए। जिन्होंने आते ही घर के शीशे तोड़े फिर गेट से कुदकर परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। घर के अंदर आए हमलावरों ने उसकी पत्नी व बच्चों के साथ बतमीजी कि व गलत हरकत की जिसके बाद बच्चो ने गांव में फोन किया।

श्री गोशाला प्रांगण में अनुदान राशि चेक वितरण समारोह

54 लाख रुपये अनुदान राशि के चेक वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सफीदों

गौसेवा आयोग हरियाणा द्वारा नगर की जींद रोड स्थित श्री गोशाला एसोसिएशन प्रांगण में शनिवार को अनुदान राशि चेक वितरण समारोह का आयोजन किया । कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि गौसेवा आयोग हरियाणा के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग ने शिरकत की। वहीं विशिष्टातिथि के रूप में सांसद रमेश कौशिक के भाई राजेंद्र कौशिक, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व सदस्य एडवोकेट विजयपाल सिंह व भाजपा जिलाध्यक्ष राजू मोर मौजूद रहे। गौशाला कमेटी के अध्यक्ष शिवचरण कंसल ने अतिथियों को बुके व स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर अतिथियों ने सफीदों विधानसभा के अंतर्गत आने वाली 12 गौशालाओं को सरकार व गौसेवा आयोग की ओर से करीब 54 लाख रुपये की अनुदान राशि के चेक वितरित किए। संबोधन में विजयपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश की सरकार व गौसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग गौ संरक्षण व संवर्धन के प्रति कृत संकल्पित है।

सफीदों। गोशाला के पदाधिकारियों को चेके सौंपते अतिथिगण।

गोवंश के लिए बेहतरीन योजन

संबोधन में गौसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग ने कहा कि हरियाणा के गौभक्त मुख्यमंत्री ने प्रदेश में गौकल्याण, गौसंवर्धन, गाय माता की रक्षा के लिए बजट में भारी बढ़ौतरी की थी जिससे गौशालाएं स्वावलंबी बन रही हैं। हरियाणा रा'य की गौशालाओं का बजट 30 करोड़ से बढ़ाकर 456 करोड़ किया गया है, यह सब मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल मार्गदर्शन में संभव हो पाया है। इससे पूर्व में किसी भी सरकार ने इतनी बड़ी राशि गौशालाओं को कभी भी नहीं दी गई। सरकार व आयोग मिलकर बेसहारा गौवंश के लिए बेहतरीन योजना बना रहे है। जिसके लागू होने से सड़कों पर कोई भी बेसहारा गौवंश नहीं दिखेगा और प्रदेश में नई गौशालाओं का भी पंचायतों से शामलात जमीन के प्रस्ताव लेकर निर्माण करवाया जाएगा।

खबर संक्षेप

राजेश को नेहरु युवा केंद्र ने किया सम्मानित

जींद। शिक्षण गतिविधियों तथा कब बुलबुल गतिविधियों से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले जिला समन्वयक एफएलएन एवं जिला संगठन आयुक्त राजेश वशिष्ठ को युवा दिवस कार्यक्रम में नेहरु युवा केंद्र डीवाईसी हरप्रीत सिंह ने सम्मानित किया। ये सम्मान प्राथमिक बच्चों को एफएलएन के माध्यम से खेल-खेल में शिक्षा देने और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए श्रेष्ठ कार्यों को लेकर मिला।

उचाना में अक्षत चावल निमंत्रण पत्र दिया

उचाना। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शहर में अक्षत चावल, निमंत्रण दिया गया। समाज सेवी लाला रामनिवास करसिंधु ने कहा कि 22 का दिन देश के इतिहास का सबसे बड़ा दिन होगा। इस दिन अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा होगा। जो कहते थे कि अयोध्या में राम मंदिर बनना असंभव है उस असंभव को पीएम नरेंद्र मोदी ने संभव करके दिखाया है।

मकर संक्रांति पर छात गोशाला में कार्यक्रम आज

उचाना। मकर संक्रांति पर्व पर जय बाबा मनसा नाथ गोशाला छातर में कार्यक्रम आयोजित होगा। मुख्य अतिथि के तौर पर आम आदमी पार्टी के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा होंगे। हिसार लोकसभा सचिव रामरूप मोर, वीरेंद्र प्रधान ने बताया कि मकर संक्रांति के पर्व पर हर साल छातर गांव की गोशाला में कार्यक्रम आयोजित होता है।

तीन दिवसीय गीता ज्ञान अमृत महोत्सव 11 से

जींद। श्री कृष्णा कृपा सेवा समिति द्वारा आगामी फरवरी माह में गीता ज्ञान अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। समिति प्रधान रामप्रकाश ग्रोवर व अरविंद खुराना ने बताया कि 11, 12 और 13 फरवरी को समिति द्वारा विराट सत्संग का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज अपने मुखारविंद से गीता ज्ञान रूपी अमृत वर्षा करेंगे। कार्यक्रम हिंदू कन्या कालेज में आयोजित किया जाएगा ।

बास्केटबाल प्रतियोगिता में हिमाद्री ने जीता सिल्वर

जींद। अंडर-17 स्कूली नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में महाराजा अग्रसेन स्कूल की छात्रा हिमाद्री ने भाग लिया और सिल्वर मेडल प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ के राजा नंद में सात जनवरी को आयोजित हुई थी। इसी प्रकार तीन से 10 जनवरी को अंडर-14 नेशनल नेट बॉल प्रतियोगिता दिल्ली में संपन्न हुई।

श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन आज

जींद। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर श्री खाटू श्याम परिवार द्वारा 14 जनवरी रविवार को को हांसी रोड स्थित ईक्कस के वृद्धाश्रम में श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के अध्यक्ष राजकुमार गोयल मुख्य अतिथि होंगे।सचिव सोनू जैन ने बताया कि संस्था ने फैसला लिया कि इस बार मकर संक्रांति का पर्व बेसहाराओं के बीच मनाया जाए।

उत्तरायण सूर्यदेव नई ऊर्जा का संचार करें : प्रो. सिहाग

उचाना। जजपा कार्यालय उचाना की तरफ से डिप्टी सीएम निजी सचिव प्रो. जगदीश सिहाग ने हलके के लोगों को लोहड़ी, मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर बधाई देते कहा कि हम प्रार्थना करते हैं कि चारों तरफ खुशी और अच्छा स्वास्थ्य हो। इस विशेष अवसर पर सभी जगह करुणा और दया में बढ़ोतरी हो। प्रो. सिहाग ने कहा कि मेरी कामना है कि उत्तरायण सूर्यदेव सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नए उत्साह का संचार करें।

जुलाना में एएनएम और जीएनएम की हुई बैठक

जुलाना। जुलाना कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रांगण में असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के बैनर तले एएनएम और जीएनएम के कर्मचारियों की बैठक का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय को पैसा देना बंद करके उच्च शिक्षा को महंगा व प्राइवेट करना चाहती है।

पीडब्ल्यूडी 18 सड़कों पर खर्च करेंगी लाखों, जल्द लगाएंगे टेंडर

गड्ढों में तबदील हो चुकी सड़कों के लिए स्पेशल रिपेयरिंग की अप्रूवल

सड़कों की रिपेयर से वाहन चालकों और ग्रामीणों को मिलेगी समस्या से निजात

हरिभूमि न्यूज ⏭उचाना

गड्ढों में तबदील हो चुकी अलग-अलग लिंक मार्गों सहित 18 सड़कों की अब सूरत बदलेंगी। पीडब्ल्यूडी द्वारा इन सड़कों के निर्माण के लिए अस्टीमेट बना कर अप्रूवल के लिए मुख्यालय भेजा गया था। मुख्यालय से अप्रूवल मिलने के बाद अब टेंडर जल्द सड़कों की स्पेशल रिपेयर, कई गांवों के पेवर ब्लॉक लगाने सहित अन्य कार्य के लिए लगाए जाएंगे। कई सड़कों का विस्तारीकरण भी होगा तो कई नए नए सिरे से निर्माण किया जाएगा। इन सड़कों में कई सड़क तो ऐसी है जिसके निर्माण की मांग वाहन चालक, ग्रामीण 10-10 साल से करते आ रहे है।

उचाना। सेढ़ा माजरा से उचाना कलां को जाने वाली सड़क का हाल।

निरंतर हो रहा सड़कों का निर्माण

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के निजी सचिव प्रो. जगदीश सिहाग ने कहा कि 1500 लाख से अधिक 18 सड़कों की स्पेशल रिपेयर, विस्तारीकरण, पेवर ब्लॉक पर पीडब्ल्यूडी खर्च करेगा। उचाना हलके में 1 हजार करोड़ से अधिक के विकास कार्य हो चुके है। कुछ लोगों को उचाना में हो रहे विकास से पेट में मरोड़े लग गए है। कभी उचाना में विकास नहीं करवाया लेकिन विकास, बांगर में राज लाने के नाम पर ये वोट लेते रहे। आज हलके में निरंतर डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला की बढ़ रही लोकप्रियता से ऐसे नेताओं को पेट में दर्द होने लगा है।

गड्ढों में बदल चुकी सड़क

सुरेंद्र, बलवान, मनोज, राजा ने कहा कि कई गांव को गांव से जोड़ने वाली सड़क गड्ढों में तबदील हो चुकी है। कई गांवों में तो सड़क ऐसी हो गई है कि यहां से दो पहिया वाहन से भी आवागमन नहीं हो पाता है।

कई सालों से सड़क निर्माण, स्पेशल रिपेयर की मांग करते आ रहे है।

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला से ग्रामीणों, वाहन चालकों ने मांग थी। डिप्टी सीएम ने इस मांग को पूरा करते हुए उनके पास जो विभाग पीडब्ल्यूडी है उससे इन सड़कों की स्पेशल रिपेयर सहित अन्य सड़कों, पेवर ब्लॉक के काम होंगे।

इन मार्गों पर ये राशि खर्च होगी

सड़क के नाम	अनुमानित लागत
दरोली खेड़ा से डोहाना खेड़ा	128.19
मखंड से काकड़ोद	213.66
मौंसला से खटकड़	97.92
कन्या स्कूल उचाना खुर्द से माता मंदिर तक	97.38
सेढ़ा माजरा से उचाना कलां	89.72
नरवाना जींद रोड से ग्रेन मार्केट वाया अस्पताल रोड	12.13
डूमरखा से तारखा	124.54
डूमरखा से ढाकल	139.46
स्पोर्टस स्टेडियम खरकभूरा	35.24
खेड़ी मंसानिया से उचाना खुर्द	77.37
भगवानपुरा से हवन कुंड	33.47
कटवाल से बिघाना	42.84
बड़ौदा से नगूरां रोड	29.25
थुआ से गुलियाना सौंगरी रोड	250.08
छातर से डाहोला	16.97
पेगां से शामदो होते हुए थुआ रोड	96.24
उचाना से किठाना	63.11
छातर से डाहोला	16.97
कुल राशि	1564.54 लाख

सड़कों को लेकर लगाए जाएंगे टेंडर

पीडब्ल्यूडी उचाना विभाग के एसडीओ बिजेंद्र सिंह ने बताया कि उचाना हलके की 18 सड़कों की स्पेशल रिपेयर को लेकर अप्रूवल मुख्यालय से मिल गई है। जल्द इसको लेकर टेंडर लगा दिए जाएंगे। 1564.54 लाख के टेंडर इन सड़कों को लेकर लगाए जाएंगे।

जींद। पत्रकारों से बातचीत करते हुए महम के पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस प्रभारी आंनद सिह दांगी। फोटो : हरिभूमि

हर घर कांग्रेस कार्यक्रम को लेकर किया मंथन

- 15 को पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा जींद में करेंगे कार्यक्रम का शुभारंभ
- आने वाला समय कांग्रेस का बहुमत के साथ बनाएंगे सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

महम के पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस प्रभारी आंनद सिह दांगी ने कहा कि कांग्रेस में कोई गुटबाजी नही है। सभी नेता कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहे हैं। आने वाला समय कांग्रेस का है और कांग्रेस भारी बहुमत के लिए सरकार बनाएगी। आनंद सिह दांगी शनिवार को 15 जनवरी को कांग्रेस के शुरू होने वाले घर-घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस कार्यक्रम की तैयारी के सिलसिले में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक लेने के बाद रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कहा कि 15 से कांग्रेस पार्टी घर-घर कांग्रेस, हर घर कांग्रेस कार्यक्रम को शुरू करने जा रही है। जिसका शुभारंभ प्रतिपक्ष नेता एव पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा जींद के टाउन हाल से करेंगे। जो शहर के विभिन्न हिस्सों से होते हुए शिव चौक पर पहुंचेगी। विधायक सुभाष गांगोली, कांग्रेस पिछडा वर्ग के प्रदेशाध्यक्ष रमेश सैनी, बलराम कटवाल, प्रो.धर्मेंद्र ढुल, महाबीर कंप्यूटर, प्रदीप गिल, पवन गर्ग, करतार सैनी, दिनेश डाहौला, रिषीपाल हैबतपुर, बलजीत रेढू आदि मौजूद रहे।

मांगी कार्यकर्ताओं की लिस्ट

जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठ चल रही थी तो उस दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब कार्यक्रम में बड़ा नेता आता है तो कुछ स्थानीय नेता उनसे इस कदर चिपक जाते हैं कि अन्य कार्यकर्ता नेता से नहीं मिल पाते हैं और ना ही अपनी बात कह पाते। जबकि कार्यकर्ता रीढ़ की हड्डी है। ऐसे नेताओं को भी नसीहत आनंद सिंह दांगी ने दी। साथ उन्होंने कौन कितने कार्यकर्ता लेकर आएगा, इसके लिए भी लिस्ट मोबाइल नंबर के साथ मांगा। बात कार्यक्रम के दौरान चाय व पानी की चली तो एक नेता ने बदले में टिकट पक्की करने की मांग कर डाली। जब दूसरे नेता से कहा गया तो उसने खर्च करने से मना कर दिया। आखिर मे युवा नेता प्रदीप गिल तथा श्याम बिहारी ने प्रबंध करने की बात कही।

137 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

- निरोगी हरियाणा योजना, एनसीडी के तहत लोगों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭अलेवा

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नगूरां, चांदपुर, शाहपुर समेत विभिन्न गांव में निरोगी हरियाणा योजना, एनीमिया मुक्त भारत तथा एनसीडी के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा के नेतृत्व में 137 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। लोगों को जागरूक करते हुए स्वास्थ्य निरीक्षक ने कहा कि निरोगी हरियाणा योजना का उद्देश्य गरीब व आर्थिक रूप से कमजोर जिनकी वार्षिक आय एक लाख 80 हजार से कम हो गंभीर बीमारी का पता लगाकर घर बैठे मुफत में ईलाज करना है। इस स्कीम के तहत नागरिकों की संपूर्ण सामान्य जांच ऊंचाई, वजन, बीपी व लैब टेस्ट फ्री किए जाते हैं। वहीं एनसीडी कार्यक्रम के तहत 30 वर्ष से ऊपर आयु वाले लोगों की मधुमेह, कैंसर, श्वसन रोग, हृदय रोग, शुगर आदि बीमारियों की जांच की गई। उन्होंने कहा कि गैर संचारी रोगों के फैलने का मुख्य कारण तंबाकू का अधिक सेवन, खराब खानपान, शराब का अत्यधिक सेवन, शारीरिक व्यायाम नहीं करने के अलावा वायु प्रदूषण आदि है। एनीमिया के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए नरेंद्र ने कहा कि स्वस्थ पुरूषों में खून की मात्रा 14 से 16 ग्राम तथा महिलाओं में 12 से 14 ग्राम होनी चाहिए।

अलेवा। नगूरां गांव में ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच करती स्वास्थ्य विभाग की टीम।

कांग्रेस सोशल मीडिया के राज्य सचिव बने शिबू

जींद। युवा कांग्रेस नेता शिबू जिंदल को हरियाणा कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम में प्रदेशस्तर पर रा'य सचिव की जिम्मेवारी सौपी है। सोशल मीडिया की रा'यस्तरीय टीम में महासचिव तथा छह सचिव बनाए हैं। सोशल मीडिया सचिव की नियुक्ति पर शिबू ने विधायक एवं हरियाणा कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया चेयरमैन सुरेंद्र पंवार, पूर्व सीएम एवं प्रतिपक्ष नेता भूपेंद्र सिह हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष उदयभान, रा'यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा तथा कांग्रेस विधायक सुभाष गांगोली का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेवारी उन्हें सौंपी है, वे पार्टी की उम्मीदों पर खरा उतरने का भरसक प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे कांग्रेस पार्टी की नीतियों को हर घर पहुचाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा से हर वर्ग का मोह भंग हो चुका है। हर वर्ग परेशान है। आने वाला समय कांग्रेस का है। कांग्रेस की सरकार बनेगी। फिर से लोगों को जनसुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। कांग्रेस ही एक मात्र ऐसी पार्टी है, जो सभी को साथ लेकर चलती है।

संस्था ने चलाया स्वच्छता अभियान

- स्वच्छता ही हमारे शहर, गांव और देश को दिखाती है सुंदर : नरेंद्र नाडा

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

सामाजिक संस्था सोसाइटी फोर एडवांसमेंट ऑफ विलेज एंड अर्बन इंवायरमेंट (सेव) ने शनिवार को हैप्पी स्कूल से इंदिरा बाजार, जनता बाजार, घंटाघर, बैंक रोड, टाउन हॉल एरिया में स्वच्छता और जागरूकता अभियान चलाया। सेव संस्था द्वारा चलाए गए 364वां अभियान प्रधान नरेंद्र नाडा की अध्यक्षता में चलाया गया। संस्था सदस्यों ने स्वच्छता का महत्व समझाते हुए लोगों को कूड़ा डस्टबीन में डालने का आह्वान किया। नरेंद्र नाडा ने कहा कि स्वच्छता एक भगवान की भक्ति है, जो आदमी स्वच्छता का ध्यान रखते हैं वो अपने आप में भगवान को समर्पित होते हैं। लक्ष्मी भी वही वास करती है जहां स्वच्छता होती है। इसलिए हर आदमी ने स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। जब तक हर आदमी कूड़ा डस्टबीन में डालना शुरू नहीं करेगा स्वच्छता किसी भी रूप में नहीं रह सकती। यदि हमारे सामने कोई आदमी खुले में कूड़ा छोड़ता है या फेंकता है तो उसको हमने टोकना चाहिए। स्वच्छता ही हमारा शहर, गांव और देश को सुंदर दिखाती है। इसलिए हम सभी को डस्टबीन का प्रयोग करना चाहिए और डस्टबीन नगर परिषद की गाड़ी को देना चाहिए तभी स्वच्छता संभव है। रोहतास गुप्ता, सुल्तान सिंह आर्य, बलबीर सिंह मौजूद रहे।

जींद। स्वच्छता को लेकर दुकानदारों को जागरूक करते प्रधान नरेंद्र नाडा।

सफीदों। शोभायात्रा निकालते श्रद्धालुगण। फोटो : हरिभूमि

नाचते गाते भक्तों ने धूमधाम से निकली श्री राम यात्रा

सफीदों। सफीदों शहर के होली मौहल्ला स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर प्रबंधन समिति के तत्वावधान एवं विश्व हिंदू परिषद के सहयोग से 22 जनवरी को श्री अयोध्या धाम में होने वाले रामलाल प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा में महिलाएं पूजित अक्षत कलश सिर पर धारण करके व श्रद्धालुगण राम भजनों पर नाचते गाते व गगनभेदी नारे लगाते चल रहे थे। यात्रा के दौरान जगह-जगह पर श्री राम भक्तों पर पुष्प वर्षा करके उनका स्वागत किया गया। यह यात्रा श्रीराम मंदिर प्रांगण से शुरू होकर पुरानी चुंगी, श्री वाल्मीकि मंदिर, राजीव चौंक व होली मौहल्ला से होकर गुजरी। रास्ते भर में लोगों को श्री अयोध्या धाम से पहुंचे पूजित अक्षत, चित्र व पत्रक भी वितरित किए गए। यात्रा के समापन पर श्रीराम मंदिर में वैदिक मंत्रोचारण के बीच पूजित अक्षत कलशों की स्थापना की गई। प्राचीन श्रीराम मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य योगेश गर्ग ने आगामी 22 जनवरी को मंदिर प्रांगण में होने वाले धार्मिक अनुष्ठान व भजन-कीर्तन कार्यक्रम में पहुंचने का आह्वान किया। दर्शना गौत्तम, सुषमा गर्ग, पूनम गर्ग, संयोगिता गर्ग, किरण शर्मा, संतोष शर्मा, विमला शर्मा, बाला, अंशु गोयल, बृजभूषण गर्ग, पंडित दीनबंधू दीनानाथ, सुशील गर्ग, विजय गर्ग, योगेश गर्ग, अरविंद शर्मा, जयदेव माटा, प्रमोद गौतम, सत्यदेव चौबे, राजू वर्मा, संजीव गौतम, मुकेश वर्मा, सुरेश बजरंगी, होशियार शर्मा मौजूद रहे।

बदलाव रैली का दिया निमंत्रण

- मनोहर सरकार ने किसानों को पोर्टल के नाम पर उलझा रखा : अनुराग ढांडा

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

आम आदमी पार्टी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अनुराग ढांडा ने शनिवार को गांव निडाना में बदलाव महारैली निमंत्रण जनसभा की। इस दौरान 28 जनवरी को जींद में होने वाली बदलाव जनसभा का निमंत्रण दिया। कहा कि आम आदमी पार्टी आपके बच्चों की लड़ाई लड़ रही है ताकि आपके बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके। बताया कि इस बदलाव रैली में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान पहुंच रहे। आम आदमी पार्टी की बदलाव रैली हरियाणा के इतिहास की सबसे बड़ी रैली होगी। इस रैली में हरियाणा के हर गांव में भारी संख्या में लोग पहुचेंगे। इस मौके पर जींद जिला अध्यक्ष वजीर ढांडा, सुनील ढांडा, संदीप मलिक और मंजीत भी मौजूद रहे। अनुराग ढांडा ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे हरियाणा के लोग इन राजनीतिक पार्टियों से तंग हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि 57 साल हरियाणा को बने हुए हो चुके हैं। 25 साल कांग्रेस की सरकार रही थी। न स्कूल अच्छे हुए। न बिजली मिला और न ही पानी मिला। वहीं नौ साल बीजेपी की सरकार को हो गई। इसमें भी वही हाल है। आम जनता को कोई फायदा नहीं पहुंचा। न स्कूल अच्छे हुए। न सरकारी अस्पताल में इलाज होता है।

जींद। बैठक को संबोधित करते अनुराग ढांडा। फोटो : हरिभूमि

वार्ड नंबर सात में चेयरपर्सन प्रतिनिधि डा. राज सैनी का स्वागत करते वार्डवासी।

जींद का विकास करना प्रथम धर्म : डा. राज सैनी

जींद। जींद में नगर परिषद द्वारा विकास कार्यों की गति तेज हो रही है। इस दौरान शनिवार को लोहड़ी के अवसर पर वार्ड नंबर सात में नवनिर्मित गली के उद्घाटन कार्यक्रम में नप अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं भाजपा जिला महामंत्री डा. राज सैनी ने शिरकत की और गली का शुभारंभ किया। इसके साथ ही वार्डवासियों द्वारा डा. राज सैनी का भव्य स्वागत किया गया। वार्ड नंबर सात से पार्षद सुनील ने बताया कि नगर परिषद जींद की चैयरपर्सन डा. अनुराधा सैनी जींद शहर में विकास कार्यों को लेकर तेजी से कार्य कर रही हैं। चेयरपर्सन बनने से लेकर डा. अनुराधा सैनी व उनके प्रतिनिधि व जींद भाजपा से जिला महामंत्री डा. राज सैनी समय-समय पर सभी वार्डों में जनता से रूबरू हो रहे हैं और जनता की समस्याओं को दूर करने का काम कर रहे हैं। जींद शहर में सभी मुख्य मार्गों पर तिरंगा लाइट लगा कर एक नया रूप शहर को दिया है। इसके साथ ही पूरे शहर में खंभों पर लाइट लगाई जा रही है। जिससे शहर को अंधकार से छुटकारा मिल जाएगा। चेयरपर्सन प्रतिनिधि डा. राज सैनी ने बताया कि वार्ड नंबर सात में बलजीत के मकान से लेकर करण सिंह के मकान तक 41 लाख 75 हजार की लागत से यह गली का निर्माण किया गया है।

आज गांव पहुंचने पर होगा जोरदार स्वागत

धावक सोनू ने नेशनल में जीता गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ⏭जुलाना

चौधरी भरतसिंह मैमोरियल खेल स्कूल निडानी के एथलेटिक्स खिलाड़ी सोनू शर्मा ने 22वीं नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत कर अपने स्कूल, गांव और प्रदेश का नाम रोशन किया है। गत नौ से 13 जनवरी तक गोवा के पण्जी में आयोजित नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1500 मीटर रेस में सबसे तेज धावक के रूप में चौधरी भरतसिंह मेमोरियल खेल स्कूल निडानी सोनू शर्मा ने अपना परचम लहराने का काम किया। जुलाना हलके के छोटे से गांव ब्राह्मणवास में साधारण किसान हंसराज शर्मा के अरमानों पर पंख लगाने वाला सोनू पैरा ओलंपिक तक जाने का मादा रखता है। खेल स्कूल निडानी की चेयरपर्सन कृष्णा मलिक ने कहा कि स्कूल पहुंचने पर विजेता खिलाडी का भव्य स्वागत किया जाएगा। संस्था के खिलाड़ियों का हमेशा प्रयास रहता है कि समय-समय पर देश का सम्मान बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं है और जो युवा पूरी तरह स्वस्थ जो अपने भविष्य के बारे में कुछ नहीं सोचते वो सोनू जैसे बच्चों से प्रेरणा लेकर अपना भविष्य सुरक्षित बना सकते हैं। संस्था के सभी खिलाड़ी हमारे देश व प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं, इनसे प्रेरणा लेकर खेलों की और जाना चाहिए। खेल बहुत ही अच्छी शारीरिक गतिविधि है जो तनाव और चिन्ता से मुक्ति प्रदान करता है। कृष्णा मलिक ने कहा कि हमें पूरा विश्वास है की सोनू भविष्य में ओलंपिक खेलों में भी अपने इस जीत के सिलसिले को जारी रख कर गोल्ड मेडल हासिल करेगा।

जुलाना। विजेता खिलाड़ी गोल्ड मेडल के साथ। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

खेल शारीरिक एवं मानसिक विकास में बहुत मदद करता है। सभी विद्यार्थियों को अपने विद्यालय में होने वाली खेलकूद की गतिविधियों में नियमित रूप से भाग लेना चाहिए। संस्था के प्रवक्ता आनंद लाठर ने कहा कि गांव पहुंचने पर विजेता खिलाड़ी का जोरदार स्वागत किया जाएगा। मौके पर संस्था चेयरपर्सन कृष्णा मलिक ने पूर्व सरपंच दलीप सिंह मलिक, संस्था सचिव रणधीर सिंह श्योराण, डारेक्टर सुखबीर सिंह पंघाल, प्राचार्य पूनम श्योराण, दीपक शर्मा, श्रवण, कोच जसवंत, नरेश पहलवान सहित पूरे स्टाफ को बधाई दी।

जींद। अक्षत वितरित करते राधेश्याम चिलाना। फोटो :हरिभूमि

बाइस को हर घर दिये जलाने का किया आह्वान

जींद। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष राधेश्याम चिलाना एवं मातृशक्ति की प्रदेश सहसंयोजिका दीप्ति मित्तल ने हाउसिंग बोर्ड कालोनी के घर-घर में जाकर अक्षत वितरण किए। उन्होंने कहा कि जिला एवं प्रखंड स्तर पर कार्यकर्ता अपने अपने दायित्व को बखूबी से निभा रहे हैं। चिलाना ने कहा कि कार्यकर्ताओ की टोली पूरे जोश के साथ राम नाम का उच्चारण करते हुए घर घर अक्षत वितरण कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुशील सिंगला, नवीन जैन, विशाल भरत ने महर्षि वाल्मीकि कालोनी, लाल बहादुर कुष्ठ कालोनी में अक्षत वितरण किए। पूरे समाज में पूरे वातावरण को राममय कर दिया। महर्षि वाल्मीकि एवं जय श्रीराम के नारों से पूरी बस्ती गूंजायमान हो गई। उन्होंने बताया कि कार्यकर्ता पूरे शहर की हर कालोनी में संपर्क बनाए हुए हैं । प्रदेश बजरंग दल के सहसंयोजक हरीश रामकली ने जनता से आग्रह किया है कि वे 22 जनवरी को भव्य दीपावली के रुप में मनाएं। इस अवसर पर दिनेश शर्मा, शशी बत्तरा, पुष्पा गर्ग, संजय सैनी, महावीर बिरौली, मनिंद्र वर्मा, दयानंद गर्ग, प्रवीण व दुर्गाशक्ति व मातृशक्ति की बहनों सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

दिसंबर माह में सरसों के तेल से वंचितों को मिलेगा तेल

कैथल। जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक डीएफएससी निशांत राठी ने कहा कि दिसंबर माह में सरसों के तेल से वंचित रहे लाभार्थी सरकार के निर्देशानुसार इस महीने 31 जनवरी तक सरसों का तेल राशन डिपों से ले सकते हैं। विभाग द्वारा राशन डिपो के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को राशन वितरण किया जा रहा है।

22 जनवरी को घोषित किया जाए अवकाश

पाई । जय मां बाला सुंदरी सेवा समिति के उप प्रधान रामनारायण जाखोली ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि 22 जनवरी को प्रदेश में भी अवकाश घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की तरह इस दिन प्रदेश में मांस मिट की दुकान बंद रखने और शराब के ठेके भी बंद रखने के आदेश दिए जाएं। इस मौके पर समिति के प्रधान कृष्ण गर्ग, महासचिव पवन बंसल, कोषाध्यक्ष तरसेम गर्ग, नरेंद्र बजाज, संजीव शर्मा, मनमोहन गर्ग एडवोकेट आदि उपस्थित थे।

विश्वकर्मा योजना कारीगरों को दिलाएगी पहचान

कैथल। डीसी प्रशांत पंवार ने कहा कि शिल्पकार व कारीगर समाज के नवनिर्माण में अपना बहुमूल्य सहयोग देते हैं। शिल्पकारों व कारीगरों के हुनर को सम्मान देते हुए केंद्र सरकार की ओर से पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरूआत की गई है जिससे शिल्पकारों व कारीगरों के हुनर को पहचान मिलेगी। डीसी प्रशांत पंवार ने बताया कि पीएम विश्वकर्मा योजना भारत की पारंपरिक कला और शिल्पकला को जीवित रखने और देश के कारीगरों और शिल्पकारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में सहायक होगी। पीएम विश्वकर्मा योजना का मुख्य बिंदु कारीगरों और शिल्पकारों के उत्पादों और सेवाओं की पहुंच के साथ-साथ गुणवत्ता में सुधार करना है।

बेटियों के भविष्य लिए है सुकन्या समृद्धि योजना

कैथल। डीसी प्रशांत पंवार ने बताया कि सरकार द्वारा बेटियों के उज्ज्वल भविष्य लिए सुकन्या समृद्धि योजना चलाई गई है। यदि आपके घर में एक नन्ही बिटिया ने जन्म लिया है और आप बेटी के भविष्य के लिए पढ़ाई, उच्च शिक्षा एवं शादी आदि के लिए प्लांनिंग कर रहे हैं तो सरकार द्वारा सुकन्या समृद्धि योजना को इसी उदेश्य से बनाया है। यह योजना केवल बेटियों के लिए ही बनाई गई है।

लोग साइबर अपराधियों से रहें सतर्क

कैथल। साइबर अपराधी ठगी को अंजाम देने के लिए तरह तरह के तरीके अपना रहे है। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन होने वाला है। ऐसे में साइबर अपराधी साइबर ठगी का अंजाम देने के लिए राम मंदिर का उद्घाटन का नाम लेकर साइबर ठगी को अंजाम देने की ताक में है। साइबर अपराधी राम मंदिर के उद्घाटन के पास के नाम पर एक एप्लीकेशन व्हाट्सएप ग्रुपों और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंचाई जा रही है जो एक तरह का वायरस है जिसे इंस्टॉल करते ही आपके मोबाइल का सारा डाटा चोरी हो सकता है।

संकल्प यात्रा-जनसंवाद कार्यक्रम के तहत जागरूकता वाहन चल रहे: विधायक

सरकार किसान, मजदूर, महिला युवा व गरीब वर्ग की सच्ची हितैषी

विधायक ईश्वर सिंह ने गांव हरनोला, गांव चक्कू लदाना बतौर मुख्यातिथि ग्रामीणों को दिलाई विकसित भारत बनाने की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

विधायक ईश्वर सिंह ने कहा कि सरकार प्रत्येक व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में सजगता के साथ कार्य कर रही है, इतना ही नहीं केंद्र व राज्य सरकार ने हमेशा किसान, मजदूर, महिला, युवा व गरीब वर्ग का ध्यान रखा है। विधायक ईश्वर सिंह ने गांव हरनोला और चक्कू लदाना में भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। गांवों में पहुंचने पर मुख्य अतिथि का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई स्टालों का अवलोकन किया तथा मौके पर मौजूद ग्रामीणों को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ भी दिलवाई। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि इस विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद कार्यक्रम के तहत प्रदेश भर में जागरूकता वाहन चल रहे हैं, जिसके माध्यम से आमजन को प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाई जा रही है।

कैथल। बीजेपी नेता सुभाष हजवाना पूंडरी मे विकसित राष्ट्र की शपथ दिलाते हुए

शहरी क्षेत्र पूंडरी में पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

पूंडरी। विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रत्येक गांव और शहरी क्षेत्रों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। शनिवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा शहरी क्षेत्र पूंडरी के इंडोर स्टेडियम और 11 रुद्री मंदिर में आयोजित की गई। पूंडरी के इंडोर स्टेडियम नगरपालिका सचिव कुमार तथा 11 रुद्री मंदिर में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा जन संवाद कार्यक्रम में बीजेपी नेता सुभाष हजवाना ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की तथा लाभार्थियों से संवाद किया करके उनको मौके पर ही योजनाओं का लाभ दिया। बीजेपी नेता सुभाष हजवाना ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉलों का अवलोकन किया और मौके पर मौजूद नागरिकों को वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्टद्रूर बनाने की शपथ भी दिलाई। उन्होंने लाभार्थियों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि देश व प्रदेश में अंत्योदय के स्वप्न को साकार करने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार अपना दायित्व प्रभावी रूप से निभा रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा-जनसंवाद के माध्यम से सरकार विकास की गारंटी के साथ आमजन तक पहुंचते हुए लोगों को और अधिक लाभान्वित कर रही है। इस यात्रा मुख्य उद्देश्य हर एक व्यक्ति को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना है। मोदी-मनोहर सरकार का ध्येय सरकारी योजनाओं को गरीब के घर तक पहुंचाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीब, महिला, किसान व युवा के उत्थान के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सभी वर्गों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया है कि देश का कोई भी गरीब नागरिक धन के अभाव में न तो भूखा रहेगा और न ही ईलाज करवाने में असमर्थ रहेगा। इस योजना के तहत प्रत्येक पात्र परिवार को प्रतिमाह प्रति सदस्य की दर से 5 किलोग्राम मुक्त राशन दिया जा रहा है।

कैथल। बालू गांव में किसान मजदूर बचाओ रैली में मंच पर बैठे रणदीप सिंह सुरजेवाला धर्मबीर सिंह व अन्य

सरकार ने किसानों व लोगों के साथ किया विश्वासघात

- धर्मवीर कौलेखां द्वारा आयोजित किसान मजदूर बचाओ रैली को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

हरियाणा प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष व हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य धर्मवीर कौलेखा द्वारा गांव बालू में किसान मजदूर बचाओ रैली आयोजित की गई। बतौर मुख्यातिथि के तौर पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव व सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शिरकत की। कार्यक्रम में हजारों साथियों ने हिस्सा लिया। सुरजेवाला ने भाजपा जजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा जजपा का डीएनए किसान व मजदूर विरोधी है। इन तानाशाही सरकारों ने देश व प्रदेश के किसानों व मजदूरों की पीठ मे छुरा घोपने का काम किया है। मोदी-खट्टर- दुष्यंत ने अगली फसल व अगली नस्ल को बर्बाद करने का काम किया है। भाजपा व जजपा सरकार ने आपके बच्चो के मुह से निवाला छीनने का दुश्हास किया है। सुरजेवाला ने कहा कि 2024 का चुनाव सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन का चुनाव है। आम नागरिक की रोजी रोटी का चुनाव है, बेरोजगारी पर काबू पाने का चुनाव है।

सेरधा की गीता बनी खंड स्तर पर बेस्ट आंगनबाडी वर्कर

राजौंद। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा खंड स्तर पर बेस्ट आंगनवाडी वर्कर के लिए परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें खंड राजौंद की आंगनवाडी वर्करों ने बड चढ़ कर भाग लिया। परीक्षा का परिणाम कुछ समय बाद ही घोषित कर दिया गया। जिसमे प्रथम स्थान पर गीता आंगनवाडी वर्कर सेरधा, दूसरे स्थान पर सबनम आंगनवाडी वर्कर राजौंद, तीसरा स्थान पूनम आंगनबाड़ी वर्कर सोंगल ने प्राप्त किया। इस दौरान सर्कल सुपरवाइजर पिंकी देवीए सरला देवी, सावित्री देवी ने तीनों वर्करों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपने ब्लॉक स्तर पर जिस तरह प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान हासिल किया है। अब जिला व प्रदेश स्तर पर भी आपको इसी तरह से अच्छा प्रदर्शन करते हुए अपनी पोजीशन बनाए रखनी है। इसके अलावा उन्होंने तीनों आंगनबाड़ी वर्करों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और प्रदेश स्तर पर भी प्रथम स्थान हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

सावित्रीबाई फूले का योगदान रहेगा याद

- शिविर में मुख्यातिथि रामचंद्र जडौला को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

आज सर्व समाज कल्याण सेवा समिति द्वारा पूंडरी में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में हैफेड के पूर्व डायरैक्टर एवं समाजसेवी रामचंद्र जडौला ने शिरकत की। रामचंद्र जडौला ने सर्वप्रथम माता सावित्रीबाई फूले और महात्मा 'योतिबा फूले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा सभी रक्तदाताओं को बेज लगाकर हौसला बढ़ाया। समाजसेवी रामचंद्र जडौला ने स्वयं रक्तदान शिविर में रक्तदान किया। इस मौके पर अपने संबोधन में समाजसेवी रामचंद्र जडौला ने माता सावित्रीबाई फुले तथा महात्मा 'योतिबा फूले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया की माता सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला अध्यापिका होने के साथ-साथ सुप्रसिद्ध समाजसेविका एवं एक मराठी कवयित्री भी थी, उन्होंने अपने पूरे जीवन में महिला शिक्षा उत्थान के लिए विभिन्न कार्य किया।

कैथल। मुख्यातिथि समाजसेवी रामचंद्र जडौला शिविर में रक्तदाताओं को बेज लगाकर हौसला बढ़ाते हुए।

स्वयंसेवकों ने रस मंगल तीर्थ का भ्रमण किया

राजौंद। सरकारी विद्यालय सोंगल में चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में स्वयंसेवकों ने रस मंगल तीर्थ का भ्रमण किया व वहां पर स्थित मंदिरों में माथा टेका और तीर्थ स्थल की सफाई की। इस दौरान स्वयं सेवकों ने रस मंगल तीर्थ पर जाते हुए एक रैली निकाली जो स्वच्छता पर आधारित थी। स्वयं सेवकों ने स्वच्छ भारत, स्वच्छ गांव, वंदे मातरम, हम बनेंगे आत्मनिर्भर के नारे लगाते हुए रैली रस मंगल तीर्थ स्थल पर पहुंची। इस दौरान सभी में विशेष जोश देखने को मिला और गांव के लोगों ने इसके लिए स्वयं सेवकों की सराहना की। इस दौरान डॉ दीपक राविश ने बच्चों को जीवन में घर व देश में किस प्रकार से आत्मनिर्भरता लाई जा सकती है।

छात्राओं को नशा न करने का दिया संदेश

- छात्राओं ने नशा न करने तथा आस पड़ोस व परिवार में जागरूक करने की ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

पुलिस टीम द्वारा कैथल जिले में आमजन को नशे के दुष्परिणामों बारे लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी मुहिम तहत शनिवार को जागरूकता टीम में शामिल इंस्पेक्टर सतीश कुमार, पीएसआई रामलाल, एचसी सुखबीर सिंह, एचसी सुनील कुमार तथा चालक संजय दत्त द्वारा चीका स्थित राजकीय महिला कालेज में छात्राओं व स्टाफ को नशे के प्रति जागरूक करने के साथ साथ इस अभियान को सफल बनाने में आमजन से सहयोग की अपील की है। डीएसपी कुलदीप बेनीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान पुलिस टीम द्वारा जानकारी दी गई कि नशा करने वाला व्यक्ति खुद के साथ साथ अपने परिवार को भी बर्बाद कर देता है। मनुष्य के लिए नशे का सेवन किसी भी प्रकार से हितकारी नहीं है और नशे के कारण लाखों युवा जिंदगी खो चुके है।

कैथल। चीका के राजकीय कालेज में नशा न करने बारे जागरूक करते पुलिस कर्मचारी

भाकियू का राष्ट्रीय अधिवेशन किसान महाकुंभ 16 से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

रामराजी ढुल पोखरीखेडी

भारतीय किसान यूनियन नेता रामराजी ढुल पोखरीखेडी ने बताया कि भारतीय किसान यूनियन द्वारा राष्ट्रीय अधिवेशन किसान महाकुंभ हर साल की भांति इस वर्ष भी 16 से 18 जनवरी तक प्रयागराज में मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय चिंतन शिविर की पहल स्वर्गीय महेंद्र सिंह टिकैत ने लगभग 35 वर्ष पहले की थी। इसके बाद हर वर्ष देश के हर प्रदेशों के किसान व मजदूर लाखों की संख्या में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चिंतन शिविर में पहुंचते हैं। हरिभूमि से बातचीत करते हुए रामराजी ढुल ने बताया कि महेंद्र सिंह टिकैत की किसानों को लेकर कितनी अच्छी सोच थी। जिन्होंने 1987 में भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले देश में हर वर्ष दो चिंतन शिविर लगाने की घोषणा की। इसमें ऐसे दो शिविरों को चुना जाता है जहां प्रदेश के किसान मजदूर गंगा में स्नान भी आराम से कर सके। पहले चिंतन शिविर 16 से 18 जनवरी को प्रयागराज में लगता है जहां पर गंगा जमुना सरस्वती तीनों नदियों का प्रयागराज में मिलन होता है जो संगम घाट के नाम से जाना जाता है।

ग्यारह रुद्री मन्दिर में जनपद सम्मेलन

- जनपद सम्मेलन में संस्कृत गीत पर हरियाणावी नृत्य प्रस्तुत हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

संस्कृत भारती कैथल द्वारा श्री ग्यारह रुद्री मन्दिर कैथल में जनपद सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें सभी संस्कृत प्रेमियों व सामाजिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मुख्यातिथि के रूप में जिला अधिकारी कैथल कपिल शर्मा ने दीप प्रज्वालन करके सम्मेलन का शुभारम्भ किया। संस्कृत भारती कैथल के जनपद संयोजक सनील आत्रेय शास्त्री ने बताया कि सम्मेलन के दौरान संस्कृत में निहित विज्ञान पर भव्य संस्कृत प्रदर्शनी लगाई गई जिसे सामाजिक संस्कृत प्रेमी भी देख पाए। इस प्रदर्शनी में संस्कृत को व्यावहारिक बनाने हेतु संस्कृत के दैनिक व्यावहारक में लाए जाने वाले शब्दों को दशार्या गया था। किस वस्तु को संस्कृत में क्या कहा जाता है? अपनी दैनिक उपयोग की वस्तुओं को संस्कृत में क्या क्या कहते हैं? इसका ज्ञान इस प्रदर्शनी के माध्यम से हुआ। जनपद सम्मेलन में कैथल जिला कार्यकारिणी के सदस्य जिला अध्यक्ष बलराज, जिला मन्त्री ईश्वर दत्त भारद्वाज, जिला एवं कार्यक्रम संयोजक सुनील आत्रेय शास्त्री, सह संयोजक जय भगवान शास्त्री सहित, संस्कृतभारती हरियाणा न्यास के अध्यक्ष डॉ रामनिवास शर्मा, सहमन्त्री ईशमसिंह आदि रहे।

कैथल। श्री ग्यारह रुद्री मन्दिर कैथल में जनपद सम्मेलन को संबोधित करते पदाधिकारी

कैथल। अनाज मंडी में पहुंचने पर संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा का स्वागत करते सुभाष हजवाना।

देश व प्रदेश में फिर बनेगी भाजपा की सरकार: फणींद्र

पूंडरी। भारतीय जनता पार्टी देश व प्रदेश में लगातार तीसरी बार सरकार बनाकर इतिहास रचेगी। यह विचार भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा ने गत देर सांय भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष हजवाना के प्रतिष्ठान पर अनाज मंडी पूंडरी में व्यक्त किए। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर विशेष तौर पर उपस्थित थे। अनाज मंडी में पहुंचने पर प्रमुख आढ़ती मदन गर्ग हजवाना व गण्यमान्य लोगों ने संगठन मंत्री व जिला अध्यक्ष का फूल-मालाओं व बुके से जोरदार स्वागत किया। सुभाष हजवाना ने संगठन मंत्री व अध्यक्ष को शाल भेंटकर अभिनंदन किया। फणींद्रनाथ ने कहा कि भाजपा संगठन पन्ना प्रमुख तक चट्टान की तरह मजबूत है। कार्यकर्त्ताओं के दम पर ही भाजपा को 5 रा'यों में भारी सफलता मिली है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री व प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गांव-गांव चली विकसित भारत संकल्प यात्रा जनता के लिए लाभकारी व वरदान साबित हो रही है।

सफाई अभियान से लोगों में जगी आस

- कॉलोनी की सुध लें और लोगों को राहत दिलवाएं सतपाल जांबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

जांबा गांव के सरपंच प्रतिनिधि सतपाल जांबा की ओर से हल्के के विभिन्न गांवो में लगातार सफाई अभियान चलाया हुआ है। जहां एक ओर लोग उनके इस अभियान की काफी सराहना कर रहे हैं, वहीं गांव फतेहपुर की बलकार कॉलोनी वासी सुनहरा सिंह, चरण सिंह, आशु कुमार, सुरेश व पंकज आदि ने कहा कि यहां की सभी नालियां, गलियां काफी समय से रुकी पड़ी हैं। सभी जगह से निराश होकर अब सफाई अभियान में जुटे सतपाल जांबा और उनकी टीम का इंतजार है कि सतपाल जांबा यहां पर आएंगे और सफाई करवाएंगे, लेकिन वे अभी तक यहां आए तक नहीं हैं। कॉलोनी वासियो ने कहा कि यदि सतपाल जांबा और उनकी टीम वास्तव में ही सफाई अभियान हल्के के सभी क्षेत्रों में समान रूप से चलाना चाहते हैं तो उन्हें गंदगी से भरी पड़ी नालियों के क्षेत्र में भी जाना चाहिए। गौरतलब है कि पिछले एक साल से बलकार कॉलोनी के लोग गंदगी से नाले व गलियों के बंद होने से परेशान हैं और सरकार के नुमाइंदों, प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायत करके थक चुके हैं। अब हल्के के विभिन्न गांवों से शुरू किए गए सतपाल जाम्बा के सफाई अभियान से उनको आस जगी है कि शायद वे ही उनकी कॉलोनी की सुध लें और लोगो को राहत दिलवाएं।

कैथल। बलकार कालोनी में रूकी पड़ी एक नाली का दृश्य।

हर गांव हो साफ

वहीं सतपाल जांबा ने कहा कि वे बलकार कालोनी में भी अवश्य जाएंगे और उनसे जितना हो सकेगा वे वहां सफाई करवाएंगे। उनका प्रयास है कि वे जिस भी गांव में जाएंगे वहां पूरी तरह से सफाई करवाएंगे।

नेशनल स्पोर्ट्स की प्रतियोगिता 3 से 8 जनवरी तक हुई

खेलकूद ओएसडीएवी के 34 खिलाड़ियों ने लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

डीएवी प्रबंधकर्त्री समिति नई दिल्ली द्वाराडीएवी नेशनल स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन 3 जनवरी से 8 जनवरी 2024 तक किया गया। जिसमें राज्य स्तर पर विजेता रहे देश के विभिन्नडीए वी स्कूलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय स्तरीय इस खेलकूद प्रतियोगिता में ओएस डी ए वीपब्लिक स्कूल कैथल के खिलाड़ियों ने हरियाणा की तरफ से खेलते हुए अलग-अलग खेलों में शानदार प्रदर्शन किया और राष्ट्रीय स्तर पर कुल 34 खिलाड़ियों ने पदक जीतकर प्रदेश व विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय कीव-19आयु वर्ग में लड़कों कीबास्केटबॉलटीम में बारहवीं कक्षा के छात्र दीपेंद्र तथा चैतन्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को स्वर्ण पदकदिलाया। इसी प्रकारलड़कों कीव-17योगा टीम में हार्दिक, पार्थ तंवर,जतिनव हिमांशु गर्ग ने अपनी प्रतिभा दिखाई और स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

कैथल। ओएसडीएवी स्कूल की प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए

गौरव ने बॉक्सिंग में जीता स्वर्ण पदक

लड़कों की व-19 बॉक्सिंग टीम में 11वीं कक्षा के छात्र गौरव ने अ.द्भुत प्रदर्शन किया और विद्यालय के लिए स्वर्ण पदक जीता। इसी कड़ी में विद्यालय की लड़कियों की व-17 नेटबॉल टीम में मुस्कान,नक्ष,नव्या,वाणी,सिया,दीक्षा,वंशिका धारीवाल ने अपना शानदार खेल दिखाते हुए रजत पदक दिलाया। लड़कियों की व-17 योगा टीम में रिद्धि, लड़कियों की व-14स्केटिंग टीम मेंआयुषीनेरजत पदक जीते।दीया शर्मा तथा यशिता नेटेबल टेनिसव-17 आयुवर्ग में खेलते हुए रजत पदक तथा यशिका ने व-14 तैराकी प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किया। इसी तरह अभिषेक,गौरांश,भौमिक गुलाटी,रुद्राक्ष,वंशअरोड़ा,प्रिंस,तनिष्कनेव-17 नेटबॉल प्रतियोगिता में कांस्य पदक,कनिष्का,भव्या,लवण गोयल ने व-14 योगा टीम में कांस्य पदक,आयुषनेबेडमिंटनव-14 ,देवनेव-19योगाटीम तथा हर्षिता ने व-17स्केटिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ ने विद्यालय पहुंचने पर सभी विजेता खिलाड़ियों व सभी खेल शिक्षकों को बधाई दीऔर उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आगे चलकर यही खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने देश का नाम रोशन करते हैं।

खबर संक्षेप

गंदी और अस्पष्ट लिखाई को शिक्षा की अधूरी निशानी

उचाना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भौंगरा में चल रहे पांच दिवसीय जीवन कौशल कैंप में भाषा प्रशिक्षण देने राष्ट्रपति अवॉर्डी सुरेश चौहान पहुंचे। सुलेख प्रशिक्षक सुरेश चौहान ने कहा कि हमें महात्मा गांधी के उस कथन को नहीं भूलाना चाहिए जिसमें गंदी और अस्पष्ट लिखाई को शिक्षा की अधूरी निशानी माना गया है। अस्पष्ट लिखाई शिक्षा के मानक रूप को धूमिल कर देती है।

फैकल्टी ओरिएंटेशन व्याख्यान का आयोजित

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के संयुक्त तत्वावधान में फैकल्टी ओरिएंटेशन व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसका विषय मैक्रो प्रबंधन एक नेतृत्व शैली रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर ने की। इस कार्यक्रम में मुख्य प्रवक्ता की भूमिका हिंदू कन्या महाविद्यालय के वाणि'य विभाग की एसोसिएट प्रो. डा. उपासना गर्ग ने निभाई।

अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों से विज्ञान के गुर सीखेंगे छात्र

जींद। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में जिले के 35 विद्यार्थी इसरो सहित

अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों से विज्ञान की बारीकियां सीखेंगे। विद्यार्थियों के साथ चार शिक्षक व एक जिला विज्ञान विशेषज्ञ भी हिस्सा लेंगे। जींद जिले के नौवीं और 11वीं कक्षा के विद्यार्थी महोत्सव में हिस्सा लेंगे। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में आने-जाने और खाने-पीने के साथ-साथ रहने का खर्चा शिक्षा विभाग की और से वहन किया जाएगा।

यूरिया के कट्टे का वजन कम करना छलावा

ढांड। भारतीस किसान यूनियन के युवा हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष राजीव आर्य ढांड ने सरकार द्वारा यूरिया खाद के कट्टे का वजन कम करने के निर्णय को किसान विरोधी कदम करार देते हुए कहा कि सरकार का यह फैसला पूरी तरह से किसान विरोधी है, जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। किसानों की बैठक को संबोधित करते हुए किसान नेता राजीव आर्य ने कहा है।

श्रद्धा व धूमधाम के साथ मनाया गया लोहड़ी, सुख-समृद्धि की कामना की

जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल, रेवड़ी और मूंगफली

महाविद्यालयों में लोहड़ी पर्व पर हुए अनेक कार्यक्रम।

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जिलेभर में शनिवार को लोहड़ी का पर्व श्रद्धा व धूमधाम से मनाया गया। समाजसेवी संस्थाओं ने जरूरतमंदों को कंबल, रेवड़ी, गज्जक, मुंगफली वितरित की। वहीं स्कूलों की छुट्टियां होने के कारण इस बार सभी अध्यापकों व प्रबंधनों ने अपने-अपने यहां लोहड़ी पर्व मनाया। शाम के समय लोगों ने अपने घरों के बाहर आग जलाई और फिर इसके चारों ओर एकत्रित होकर आग में रेवड़ी, मूंगफली, खील, चिक्की, गुड़ से बनी चीजें डाल कर इसकी परिक्रमा कर सुखद भविष्य की कामना की। लोहड़ी का पर्व सूर्यदेव और अग्नि को समर्पित है।

पर्व का महत्व बताया

प्रियदर्शनी इंदिरा गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में लोहड़ी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य जयनारायण गहलावत ने कहा कि त्योहार हमारे जीवन में उमंग, उल्लास, सहयोग, प्रेम और आनंद वर्धन करने वाले होते हैं। ये हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को संजोकर रखते हैं। लोहड़ी का पर्व विशेष तौर से पंजाबी संस्कृति में खास महत्व रखता है लेकिन पंजाब के साथ जुड़ा होने के कारण हरियाणा में भी इस त्यौहार का विशेष महत्व होता जा रहा है। इस त्यौहार के साथ दुल्ला भट्टी का नाम जुड़ा हुआ है। लोहड़ी के कई गीतों में भी जिसका जिक्र आता है। पंजाब में विशेष तौर से इस दिन विवाहित बहन और बेटियों को घर बुलाया जाता है। इस प्रकार से यह त्यौहार बहन बेटियों की सुरक्षा और उनके मान सम्मान के स्वरूप में भी मनाया जाता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों के साथ मिल कर मूंगफली व रेवड़ी का वितरण कियाद्ध महाविद्यालय की प्रवक्ता डा. सुमिता आशरी ने बताया कि लोहड़ी और मकर संक्रांति के पावन पर्व को समस्त महाविद्यालय परिवार ने मिलजुल कर सौहार्दपूर्वक मनाया।

जींद। बीरेंद्र सिंह कॉलेज ऑफ नर्सिंग उचाना में लोहड़ी का पर्व मनाते हुए।

जींद। राजकीय महिला महाविद्यालय में लोहड़ी पर्व मनाते हुए प्राध्यापक व अन्य स्टाफ।

नर्सिंग कॉलेज में मनाया लोहड़ी पर्व

उचाना स्थित बीरेंद्र सिंह कॉलेज ऑफ नर्सिंग उचाना में सभी स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने लोहड़ी पर्व मनाया गया। प्रिंसिपल डॉ. बाबा वजराला ने बताया कि लोहड़ी पंजाब हरियाणा, दिल्ली जैसे रा'यों के बड़े त्योहारों में से एक है। सिख, पंजाबी समुदाय के लोग इस पर्व को काफी धूमधाम से मनाते है। इस दिन अग्नि के इंद गिर्द परिक्रमा करते है। अग्नि में गुड़, मूंगफली, रेवड़ी, गजक इत्यादि अर्पित करते है।

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय में लोहड़ी पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए छात्राएं व प्राध्यापिकाएं। *फोटो: हरिभूमि*

हिंदू कन्या कॉलेज में धूमधाम से मनाया लोहड़ी पर्व

हिंदू कन्या महाविद्यालय में शनिवार को लोहड़ी पर्व धूमधाम से मनाया गया। कॉलेज प्रांगण में सभी टीचिंग व नॉन टीचिंग सदस्यों के साथ यह पर्व मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्या डा. पूनम मोर ने लोहड़ी पर्व का महत्व बताते हुए सभी सदस्यों को नव वर्ष में दोगुने उत्साह से कार्य करने की प्रेरणा भी दी। मकर संक्रांति व लोहड़ी सदभावना व सौहर्दता का पर्व है। सर्दी का गमन व वसंत का आगमन सभी के जीवन में उमंग लाएं, ऐसी कामना के साथ त्यौहार को मनाया गया। सांस्कृतिक व संगीत विभाग से डा. क्यूटी, आरती सैनी, प्रवीण व रमन ने कार्यक्रम में शिरकत की।

कलाम बाल आश्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम

जींद। महिला एवं बाल विकास विभाग ने शनिवार को कलाम बाल आश्रम में रहे रहे बच्चों के साथ लोहड़ी पर्व मनाया। इसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी कुमारी माधुर्या तरफदार ने की। इसमें जिला कार्यक्रम अधिकारी सलोचना कुंडू, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष नरेंद्र अत्री, जिला बाल संरक्षण अधिकारी सुजाता मलहान, जिला बाल कल्याण अधिकारी अनिल सिंगला, अधीक्षक शैलेंद्र, कार्यक्रम अधिकारी बाल भवन मलकीयत चहलआदि मौजूद रहे। आश्रम में रह रहे बच्चों द्वारा लोहड़ी के त्योहार पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए तथा बच्चों के साथ-साथ उपस्थित अधिकारियों द्वारा भी गिद्दा और बोलियां पाकर कार्यक्रम को अभिभूत कर दिया। उन्होंने बच्चों को आत्मनिर्भर व सशक्त होने की प्रेरणा देते हुए कहा कि इस आश्रम का नाम हमारे महामहिम पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम से रखा गया है। हमें उनके नाम से प्रेरणा लेकर एक मजबूत, आत्मनिर्भर और समावेशी समाज का निर्माण करने की दिशा में काम करना चाहिए।

आरकेएसडी कालेज में मनाया लोहड़ी का पर्व

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज, कैथल की महिला प्रकोष्ठ ने आज कॉलेज परिसर में 'लोहड़ी महोत्सव समारोह' का आयोजन किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. सीमा गुप्ता, डॉ. गीता गोयल और डॉ. रितु वालिया थीं। प्राचार्य डॉ.संजय गोयल ने अन्य स्टाफ सदस्यों के साथ पवित्र लोहड़ी की अग्नि प्रज्वलित की। समारोह की शुरूआत लोहड़ी की अग्नि को नमन करने के साथ हुई। गीत गाकर और लोहड़ी का नाश्ता करके त्योहार की भावना को पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल आयोजित किए गए। बीएससी फाइनल की सिमरन और बीए प्रथम की संजना को विजेता घोषित किया गया। 'पंजाबन' थीम पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता हुई। बीए फाइनल की पूर्णिमा को मिस पंजाबन का खिताब मिला।

समारोह को प्रभावित करने और उसे जीवंत बनाने के लिए नृत्य संबंधी कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। छात्रों द्वारा अधिकारियों को धन्यवाद देने के साथ कार्यक्रम अच्छे नोट पर समाप्त हुआ। डॉ. शिल्पी अग्रवाल,डॉ. आयोजन को सफल बनाने में विनय सिंघल और प्रोफेसर ऋचा लांगयान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. रचना सरदाना, डॉ. पूजा गुप्ता, प्रो. अंजलि कुर्रा, डॉ. सतबीर मेहला आदि मौजूद रहे।

डीएवी कॉलेज पूण्डरी में लोहड़ी का पर्व धूमधाम से मनाया

पूंडरी। डीएवी कॉलेज पूण्डरी में लोहड़ी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। प्राचार्य डॉ सुभाष तंवर ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उत्तर भारत के सबसे लोकप्रिय त्यौहारो में मुख्य-रूप से सिखो और हिन्दूओं द्वारा मनाया जाने वाला यह त्यौहार रबी फसलों की कटाई का प्रतीक है। यह दिन सर्दी के मौसम के अन्त का प्रतीक है। इस दिन सर्दी अपने चरम पर होती है इसके बाद कम होने लग जाती है। प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों व कर्मचारियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह त्यौहार आप सभी के जीवन में खुशियाँ और नई उमंग लेकर आए मैं भगवान से यही प्रार्थना करता हूँ। छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ विश्वजीत सिंह ने सभी विद्यार्थियों को प्रसाद के रूप में मूगफली तथा रेवडी बटवाई ।

21 को होगा महाराज अजमीढ के नव निर्मित मंदिर का उद्घाटन

- 20 जनवरी को शहर में शोभा यात्रा निकाली जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

सेक्टर 6 में सुनार समाज के आदि देव महाराज अजमीढ के नव निर्मित मंदिर का उद्घाटन 21 जनवरी को होगा। मूर्ति देवी द्वारा विधिवत उद्घाटन करने से पूर्व महाराज अजमीढ देव के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 16 से 20 जनवरी तक पंडितों और आचार्य द्वारा विधिवत रूप से की जाएगी। 20 जनवरी को शहर में शोभा यात्रा निकाली जाएगी और 21 जनवरी को सुबह हवन यज्ञ करने के उपरांत मूर्ति स्थापित की जाएगी। इसके बाद कन्याओं को भोजन कर भंडारा चलाया जाएगा। मेढ सुनार सभा के प्रधान सत्यनारायण सोनी, संरक्षक फूलसिंह वर्मा, महासचिव राममेहर वर्मा तथा वरिष्ठ सदस्य नरेश सोनी ने बैठक आयोजित कर बताया कि महाराज अजमीढ देव का यह मंदिर हरियाणा राज्य का प्रथम मंदिर होगा। एक करोड़ रुपये से ज्यादा राशि से तैयार इस मंदिर की कलाकृर्ति को राजस्थान और मध्यप्रदेश से आए शिल्पकारों व मिस्त्रियों ने तैयार किया है। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर राज्य की कई हस्तियों को भी आमंत्रित किया है। बनारसीदास वर्मा, रमेश वर्मा, राजकुमार सोनी, नरेश सोनी, गौरव, इंद्र सिंह अनेक सदस्य मौजूद रहे।

आदर्श स्कूल जाखोली में लोहड़ी के पर्व पर छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया

राजौंद। गांव जाखौली के आदर्श स्कूल प्रांगण में लोहड़ी पर्व पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा नौवीं से लेकर कक्षा 12 वीं के छात्र-छात्राओं ने बढ़कर भाग लिया। इस दौरान आग जलाकर लोहड़ी पर्व की सभी को शुभकामना दी गई। इसके अलावा सभी विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों ने लोहड़ी के लिए जलाई गई आग में आहुति डाली। कार्यक्रम में स्कूल के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश शर्मा ने लोहड़ी के पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि लोहड़ी के पर्व जलाई गई आग में आपके जीवन की हर बुराई जलकर भस्म हो जाती है। उन्होंने कहा कि लोहड़ी पर सभी अपने ज्ञान को बढ़ाने का कार्य करें और प्रकृति का सम्मान करें।

लोहड़ी पर्व से सकारात्मक ऊर्जा का संचार

- जाट महाविद्यालय कैथल के प्रांगण में लोहड़ी पर्व का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

जाट महाविद्यालय कैथल के प्रांगण में लोहड़ी पर्व का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जाट हाई स्कूल सोसाइटी के प्रशासक डॉक्टर अनिल बिढान ने शिरकत की,। मंच का संचालन डॉक्टर कर्मवीर चहल ने किया। मुख्य अतिथि का स्वागत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ दिनेश कुमार ढिल्लों ने विधिवत रूप से किया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉक्टर दिनेश कुमार ढिल्लो ने छात्र एवं छात्रों को लोहड़ी पर्व क्यों मनाया जाता है एवं इस पर्व के महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। लोहड़ी त्योहार फसल पकने और अच्छी खेती के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। सूर्य के प्रकाश व अन्य प्राकृतिक तत्वों से तैयार हुई फसल के उल्लास में लोग एकजुट होकर यह त्योहार मानते हैं। इस दिन सभी लोग इकट्ठा होकर सूर्य भगवान एवं अग्नि देव का पूजन कर उनका आभार प्रकट करते हैं। डॉक्टर अनिल बिढान ने व्याख्यान में लोहड़ी पर्व के महत्व के बारे में विस्तार से बताया मुख्य अतिथि ने सभी जाट शिक्षण संस्थान के कर्मचारियों को लोहड़ी पर्व की बधाई दी एवं कर्मचारियों को गर्म कंबल भेंट किया।

कैथल। लोहड़ी पर्व मनाते जाट स्कूल के पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

लोहड़ी पर झूमे एसएस बाल सदन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

एसएस बाल सदन सीनियर सेकेंडरी स्कूल मैं लोहड़ी का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दसवीं तथा 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में एसएस सोसाइटी के अध्यक्ष रवि भूषण गर्ग एवं प्राचार्य राजरानी गर्ग मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे तथा अतिथि के तौर पर हिमांशु गर्ग मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ एमडी रवि भूषण गर्ग तथा प्राचार्य राजरानी गर्ग द्वारा लोहड़ी दहन कर किया गया। लोहड़ी दहन करने से पहले अध्यापकों तथा छात्र-छात्राओं के द्वारा मूंगफली रेवड़ी तथा फुल्लो से धोक लगाई गई और सबके सबके मंगल की कामना की गई। रवि भूषण गर्ग व प्राचार्य राजरानी गर्ग ने कहा कि भारत त्योहारों का देश है प्रत्येक त्यौहार का अपना महत्व है ।इस तरह के कार्यक्रम करने के पीछे विद्यालय का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को अपनी संस्कृति से जोड़ना है। उन्होंने आगे कहा कि लोहड़ी अग्नि और सूर्य देव के प्रति आभार प्रकट करने का त्योहार है। पंजाब में फसल कटने के बाद इसे मनाया जाता है।

कैथल। लोहड़ी पर्व मनाते एसएस बाल सदन स्कूल के स्टाफ व विद्यार्थी।

आधुनिकता की चकाचौंध में खो गया लोहड़ी का पर्व

- नहीं दिखाई दी लोहड़ी मांगने वाले बच्चों की टोलियां

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

आधुनिकता की मार के चलते बच्चों की टोलियां लोहड़ी मांगने के लिए गली-गली घूमते अब नहीं दिखाई दीए जबकि कुछ वर्ष पूर्व में छोटी-छोटी लड़कियां लोहड़ी के दिन तिली हरी वे परी, तिली मोतीयां जड़ी, तिली ओस वेडे जा जित्थे गुगे दा ब्याह वाले गीत गुनगुनाती हुई उन घरों में लोहड़ी मांगने जाती थी जिन घरों में लड़के का जन्म हुआ होता था या लड़के की शादी हुई होती थी। इसी तरह छोटे बच्चे भी टोलियां बनाकर दुल्ला भट्टी वाला होए दुल्हे दी व्याही हो जैसे गीत गाकर इस पर्व की खुशी मनाते थे, परंतु अब लोहड़ी को लेकर एक दिन पहले ही मोबाइल फोनों पर एसएमएस का दौर शुरू हो जाता है। अब तो लड़के व लड़कियां भी लोहड़ी मांगने में शर्म महसूस करते हैं। केवल एक औपचारिकता के रूप में ही इस पर्व को मनाया जाता है।

राजौंद। लोहड़ी के पर्व पर मुख्य चौक पर सजी मूंगफली व रेवड़ी की दुकानें।

मकर संक्रांति पर ब्रेड-पकौड़े व चाय का लगाया भंडारा

हरिभूमि न्यूज ⏭नरवाना

मकर सक्रांति के उपलक्ष में हर वर्ष की भांति इस बार भी समाजसेवी मिंकी चौपड़ा ने नेहरू पार्क के पास ब्रेड-पकौड़े व चाय का भंडारा लगाया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद चखा। समाजसेवी मिंकी चौपड़ा ने कहा कि मकर संक्रांति पर दान करना शुभ माना जाता है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व आपसी भाईचारे का पर्व है। इस पर्व पर सभी लोग मिलजुल कर भंडारे लगाते हैं। भंडारे में अलग-अलग प्रकार के पकवान बनाए जाते हैं। सभी दुकानदारों ने मिलकर मकर संक्रांति पर्व पर भंडारे के रूप में ब्रेड, पकोड़े व गर्म चाय का दोपहर बाद तक सेवन करवाया। उन्होंने कहा कि मकर सक्रांति का पर्व भारत का प्रमुख पर्व है। भारतवर्ष में यह पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस अवसर पर मानव बठला, हरपाल सिंह, लक्ष्य कालड़ा, सुमेश गर्ग, सोनू गोयत, भोलू चौपड़ा, इंद्र, हरिकेश चौपड़ा मौजूद थे।

नरवाना। मकर सक्रांति के उपलक्ष्य में ब्रेड-पकौड़ा व चाय का भंडारा लगाते समाजसेवी मिंकी चौपड़ा व अन्य।

प्ले स्कूलों में बच्चों का होता है सर्वांगीण विकास

अलेवा। गांव नगूरां के प्ले स्कूल में बच्चों के अभिभावकों के लिए पीटीएम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्कल सुपरवाइजर सरोजबाला ने की तथा मुख्य रूप से सीडीपीओ रामरति ने भाग लिया। इस दौरान प्ले स्कूल में आने वाले बच्चों की माताओं ने भाग लिया। बच्चों को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग अलेवा की सीडीपीओ रामरति ने कहा कि प्ले स्कूलों में बच्चों का सर्वांगिण विकास होता है। सरकार द्वारा प्ले स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए समय-समय पर विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है। जिसका सीधा लाभ प्ले स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को मिल रहा है। सरकार द्वारा बच्चों के सर्वांगिण विकास के लिए गांव दर गांव प्ले स्कूल खोले गए हैं। इसलिए माताएं अपने छोटे बच्चों को प्ले स्कूल में भेजें ताकि सरकार द्वारा चलाई योजनाओं को लाभ उन्हें मिल सके। इस अवसर पर आंगनबाड़ी वर्कर सुदेश, सुनिता, राजेश, निर्मल, विद्या, केला आदि उपस्थित थी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

जीवन कौशल विकास शिविर में अपशिष्ट वस्तुओं से खेल तथा अन्य चीजें बनाना सिखाया

ग्रामीण बच्चों में विशेष प्रतिभाएं छिपी हैं : अशोक गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ⏭ढांड

राजकीय कन्या उच्च विद्यालय ढाण्ड में हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा राजकीय स्कूलों में लगाए जा रहे कैंप के तहत कक्षा छह से आठ की किशोरावस्था लड़कियों के लिए आयोजित कैंप का आज समापन हो गया। कैंप इंचार्ज रोशन लाल पंवार ने बताया कि शिविर में लड़कियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, फर्स्टएड, आर्गेनिक फार्म, कृषि, बागवानी, आर्ट एंड क्राफ्ट, वेस्ट मैटिरियल से खेल व घरेलू सामान बनाना, मातृभाषा व अंग्रेजी भाषा की गहन जानकारी दी गई। रोशन लाल पंवार ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस में विद्यार्थियों को विभिन्न सार्वजनिक कार्यालयों के संचालन और कार्यप्रणाली के संबंध में छात्रों के बीच जीवन कौशल विकसित करना और ज्ञान और जागरूकता बढ़ाना, छात्रों को अपना ज्ञान और रचनात्मकता दिखाने का अवसर प्रदान करना, विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं सहयोग की भावना विकसित करने बारे विशेषज्ञों द्वारा मोटिवेशनल भाषण देकर बच्चों को प्रेरित किया। बच्चों ने कैंप के अंतिम दिन अपशिष्ट पदार्थों से कई प्रकार के खिलौने व सजावट का सामान बनाकर प्रदर्शनी लगाई। एक अन्य विशेष कार्यक्रम में पहुंचे गांव के विभिन्न समाजसेवियों, नेताओं तथा मौजिज लोगों ने भी बच्चों की प्रदर्शनी को देखकर सराहना की।

ढांड। भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर ढांड के स्कूल का निरीक्षण के दौरान छात्राओं से बातचीत करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

छुट्टियों का सही उपयोग कर रहे हैं

भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर ने कहा कि ग्रामीण बच्चों में विशेष प्रतिभाएं छिपी हैं जिन्हें अध्यापक निखार कर समाज के जिम्मेदार नागरिक तथा अनुशासित व्यक्ति बना सकते हैं। उन्होंने सरकार द्वारा चलाए जा रहे जीवन कौशल विकास कैंपों को सार्थक बताते हुए कहा कि विद्यार्थी इनके माध्यम से छुट्टियों का सही उपयोग कर रहे हैं। गांव निवासी पूर्व एसडीएम प्रेम गांगल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अनुशासन तथा शिक्षा के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन तथा समय का पाबंद होना आवश्यक है। इस अवसर पर विकास धीमान, गुलाब सिंह, ऋतिका बंसल, ऋतु पंवार, कमलेश,आदि स्टाफ सदस्यों सहित राजेंद्र कुमार, विजेंद्र मैहला, पाला राम, रामस्वरूप गांगल, मा. सुभाष गुप्ता, राहुल गांगल, राइस मिल एसोसिएशन के प्रधान रमेश गुर्जर, सतीश सैनी, विपिन काड़ा, बलकार सोलूमाजरा, जसबीर गुर्जर आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 14 जनवरी 2024

मकर संक्रांति विशेष

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक ही नहीं अत्यधिक सांस्कृतिक महत्ता भी है। यह पर्व ऋतुचक्र में होने वाले परिवर्तन और सूर्य की गति में बदलाव को भी प्रकट करता है। यह पर्व देश के अलग-अलग भागों में विभिन्न रूपों और नामों से मनाया जाता है। लेकिन इसे मनाने की मूल भावना में निहित सामाजिक समरसता, इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है।

धार्मिक आस्था-सांस्कृतिक उल्लास का पवित्र पर्व मकर संक्रांति

{ आवरण कथा / आर.सी.शर्मा }

पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक नाम भले अलग-अलग हों, लेकिन मकर संक्रांति का धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व, पूरे भारत में मनाया जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। जैसे- उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में इसे मकर संक्रांति कहते हैं, तो पंजाब में लोहड़ी, गुजरात में उत्तरायण, उत्तराखंड में उत्तरायणी, केरल में पोंगल, असम में माघ बीहू और भोगाली बीहू, बिहार-उत्तर प्रदेश में खिचड़ी, बंगाल में दान पूर्व और तमिलनाडु में पोंगल के नाम से इसे मनाते हैं। चाहे पर्व के नाम अलग-अलग हों और इनके मनाने के तौर तरीके भी थोड़े अलग-अलग हों। लेकिन अपनी मूल प्रकृति और मूल आस्था में ये सारे पर्व एक ही होते हैं। नई फसल तैयार होने की खुशी में नाचना-गाना, सूर्य के उत्तरायण होने से उसके बढ़ते जीवनदायी ताप के प्रति आभार-सम्मान प्रकट करना और पवित्र नदियों में स्नान करने जैसी तमाम तरह की गतिविधियां, इन सभी पर्वों के मूल विधान में शामिल हैं।

केरल में पोंगल पर्व मनाते स्थानीय निवासी

पर्व मनाने की शुभ तिथि

मकर संक्रांति आमतौर पर अंग्रेजी कैलेंडर के जनवरी माह में 14 या 15 जनवरी को मनाई जाती है। मकर संक्रांति की तिथि से सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, इसलिए यह मकर संक्रांति कहलाती है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं, जिसे शास्त्रों के मुताबिक देवताओं का दिन माना जाता है, जबकि दक्षिणायन को देवताओं की निशा यानी रात्रि माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन किया गया दान, साल के बाकी किसी भी दिन में किए गए दान के मुकाबले कहीं ज्यादा पुण्य लाभ देने वाला होता है। इस साल मकर संक्रांति की तिथि आज रात के बाद यानी 15 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त से पहले 2 बजकर 54 मिनट से आरंभ होगी, जब सूर्यदेव धनु राशि से निकल कर मकर राशि में प्रवेश करेंगे।

महत्वपूर्ण-पुण्यकारी धार्मिक कार्य

मकर संक्रांति के दिन सुबह उठकर सूर्य के निकलने से पहले या निकलते समय पवित्र नदियों में स्नान करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके बाद नए साफ वस्त्र पहनकर तांबे के लोटे में पानी भरकर उसमें काला तिल, गुड़ का छोटा टुकड़ा और अगर गंगा में नहीं नहा रहे तो थोड़ा गंगाजल मिलाकर सूर्यदेव को प्रणाम करते हुए उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद गरीबों को दान दिया जाता है, इस दान में तिल और खिचड़ी का होना बहुत शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक मकर संक्रांति की सुबह घर में स्नान करें तो पानी में तिल और गंगाजल अवश्य मिला लें। किसी पवित्र नदी में स्नान कर रहे हों तो जिस जगह स्नान करें, वहां थोड़े तिल और गंगाजल छिड़क देना चाहिए। इस दिन सूर्यदेव शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हैं, इसलिए मकर संक्रांति को शनि देव की पूजा भी करनी चाहिए।

कहीं नृत्य तो कहीं पतंगबाजी

मकर संक्रांति देश के अलग-अलग हिस्सों में खूब मस्ती और उमंग के साथ मनाई जाती है। कहीं पर लोग ढोल की थाप पर

असम में माघ बीहू के अवसर पर सामूहिक नृत्य करतीं महिलाएं

नाचते-गाते हैं। जैसे पंजाब में भागड़ा और गिद्धा लोकनृत्य किया जाता है। इसी तरह असम में लोग बिहू लोकनृत्य में सामूहिक रूप से शामिल होते हैं। गुजरात और उत्तर भारत में इस अवसर पर बड़े पैमाने पर पतंग उत्सव का भी आयोजन किया जाता है।

पर्व का जीवन में महत्व

मकर संक्रांति पर्व का महत्व सिर्फ धार्मिक या पारंपरिक संस्कारों तक ही सीमित नहीं है। इसका सीधा-सीधा रिश्ता बदलते हुए ऋतु चक्रों से भी होता है। जिस कारण बहते हुए पानी में स्नान किए जाने की परंपरा इससे जोड़ी गई है। इसका वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य यह है कि इन तिथियों को बहते हुए पानी में ऊर्जा की अधिकता होती है और उस पानी में स्नान करने से इंसान बहुत तरह की शारीरिक व्याधियों से छुटकारा पा जाता है। साथ ही बदलते हुए मौसम के इस संधिकाल में सूर्य के ताप, पृथ्वी और जल की ऊर्जा का शरीर में इस तरह से प्रभाव पड़ता है कि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इसलिए संक्रांति को सिर्फ धर्म की नहीं प्रकृति की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। *

वर्ष में होती हैं तीन संक्रांतियां

हिंदू पंचांग के अनुसार पूरे वर्ष में एक नहीं तीन संक्रांतियां मनाई जाती हैं- मकर संक्रांति, विषुवत संक्रांति और कार्तिक संक्रांति। सभी में एक जैसी श्रद्धा और एक जैसी धार्मिक भावनाएं होती हैं। विषुवत संक्रांति अप्रैल माह में पड़ती है, इस तिथि पर सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं। साथ ही इसी दिन विशाखा नक्षत्र में भी प्रवेश करते हैं, इसलिए इसे वैशाखी भी कहा जाता है। इसी तरह कार्तिक संक्रांति हिंदुओं में बहुत पवित्र मानी जाती है। कार्तिक संक्रांति में सूर्य तुला राशि में प्रवेश करते हैं। आमतौर पर यह अक्टूबर के मध्य में आती है। सभी संक्रांतियों में सूर्योदय से पहले उठकर या उग रहे सूर्य के समय स्नान का विधान होता है। साथ ही इस दिन पवित्र नदियों में भी स्नान करने का महत्व बताया गया है। *

जीवन में सुकून और खुशी तो सभी चाहते हैं लेकिन इन्हें पाने के लिए किस रास्ते पर चलने की जरूरत होती है, इस बारे में कम ही लोगों को पता होता है। वास्तव में सुकून-खुशी हासिल करना कठिन नहीं है, अगर आप सही दिशा में इसे तलाश करें।

सुकून-खुशी पाना कठिन नहीं है, अगर...

{ जीवनशैली / शिखर चंद जैन }

अगर आपको दिल्ली से कोलकाता जाना हो लेकिन आप ट्रेन या फ्लाइट चेन्नई की पकड़ लें तो कोलकाता पहुंचेंगे या चेन्नई? यह सवाल आपको अटपटा लग सकता है लेकिन व्यावहारिक जीवन में देखें तो खुशी और सुकून की तलाश में हम कुछ इसी तरह गलत राह पर चलते हुए अपनी मंजिल से भटक जाते हैं और हमें इसका एहसास ही नहीं होता है।

लिविंग स्टैंडर्ड का गलत पैमाना: बेहतरी, सफलता, समृद्धि और सुकून के वास्तविक स्वरूप को समझने में लोग अकसर चूक जाते हैं। इसमें पूरी तरह गलती आपकी नहीं है। वास्तव में हमारा माहौल, संगत और समाज कई मामलों में हमारा नजरिया तय करते हैं। यही वजह है कि आज स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई होने यानी सफलता और खुशहाली का प्रतीक भौतिक साधनों के बहुलता को माना जा रहा है। आपके जीवन का स्तर कितना ऊंचा है, यह इस बात से तय होता है कि आप का मकान शहर के किस पॉश इलाके में है, कितना बड़ा मकान या फ्लैट है, आपकी कार कितनी महंगी है, आपके यहां कितने नौकर-चाकर काम करते हैं, आपका बैंक बैलेंस कितना बड़ा है, आपका मोबाइल किस ब्रांड का है, आप शहर के किस रेस्तरां में डिनर या लंच के लिए जाते हैं, किस ब्रांड के कपड़े, घड़ी या जूते पहनते हैं? आप छुट्टियां बिताने के लिए विदेश जाते हैं या नहीं? इतना ही नहीं रेव पार्टीज में या महंगे क्लब्स में जाना भी स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग का प्रतीक बन गया है।

अपना नुकसान खुद करते हम: आज के दौर का यह सच बन गया है कि हममें से अधिकांश लोगों के जीवन का ज्यादातर समय इन्हीं को पा लेने की कोशिश में खप जाता है, इन्हीं में सुकून और खुशहाली की तलाश करते हुए अनजाने में ही हम परेशान, बदहाल और तनावग्रस्त रहने लगते हैं। पिछली सदी में बुजुर्ग और अब तो वैज्ञानिक भी कहते हैं कि चिंता, चिता के समान होती है। हम अपनी ही नासमझी से गलत जीवनशैली के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, स्ट्रोक, हृदय रोगों और कैंसर जैसे घातक रोगों के शिकार बेहद आसानी से हो जाते हैं। नतीजतन ना मनचाहा खा सकते हैं ना ढंग से सो पाते हैं। कहा गया है कि पहला सुख निरोगी काया। लेकिन जब माया के चक्कर में काया ही रोगी हो गई तो सुख और सुकून भला कैसे मिलेंगे?

गलत मार्ग पर मंजिल की तलाश: हममें से अधिकतर लोग समझ ही नहीं पाते कि आखिर इतने प्रयासों के बावजूद हम सुखी क्यों नहीं हो पा रहे हैं? सीधी सी बात है, जाना था जापान पहुंच गए चीन वाली कहावत हमारे साथ लागू हो गई है। हमारे प्रयास ही गलत दिशा में और गलत चीजों के लिए होते हैं। हमारा लक्ष्य कुछ और होता है और राह हम दूसरी पकड़ लेते हैं। हम अपने जीवन का स्तर ऊंचा करने की बजाय, इसे छोड़कर दूसरी भौतिक, दिखावटी और गैर जरूरी चीजों का स्तर ऊंचा करने में जुट जाते हैं। स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग को ऊंचा करना एक अंतहीन प्रयास है, जिसका कोई उच्चतम मापदंड आज तक कोई निश्चित नहीं कर पाया है। आप चाहे जितना महंगा सामान खरीदेंगे, आपसे भी महंगा किसी और के पास मिल जाएगा। उसे देखते ही आपका अहं, चूर-चूर हो जाएगा और खुशी काफूर हो जाएगी।

आंतरिक सुकून की राह: आपको जीवन का स्तर ऊंचा रखना है, सुकून, सुख और खुशहाली से रहना है तो जरूरतों और चाहतों में अंतर समझना होगा। जीवन का स्तर आंतरिक सुख से ऊंचा होगा, जो संतोष से प्राप्त होता है। कहा भी गया है, संतोषम् परम सुखम्। अध्यात्म, प्राणायाम, योग, ध्यान आदि को अपनाना होगा। परमार्थ की भावना, दयालुता, परोपकार, समाज की सेवा और मनुष्य मात्र के प्रति संवेदनशीलता हमें जीवन के उच्चतम स्तर तक पहुंचा सकती है। झूठ, छल, कपट, धोखाधड़ी, झूठ, ईर्ष्या, लालच, क्रोध जैसे दुखी करने वाले जंजालों से मुक्ति पानी होगी। जैसे किसी तालाब के पानी से काई, तृण, गंदगी और विषाणु निकालकर उसे हल्का, सुपाच्य और स्वस्थ पेय जल बनाया जा सकता है, वैसे ही जीवन से इन अवांछित तत्वों और नकारात्मक भावनाओं को निकाल दें तो जीवन स्वच्छ जल की मानिंद हल्का और सुकून देने वाला बन सकता है। इस प्रकार का जीवन जीने वाला स्वतः ही अपने समाज में चहेता, प्रशंसनीय, स्नेह का पात्र और आदरणीय बन जाता है। लोग उसका सम्मान करते हैं। लोगों से जब ऐसा आदरपूर्ण और स्नेहिल व्यवहार मिलेगा तो आपको अतुलनीय आंतरिक आनंद और सुकून मिल जाएगा। *

{ नवगीत / शिवचरण चौहान }

धूप आई, जान आई

धूप आई
जान आई!
शीत से मारे हुए
फूलों के मुख
मुस्कान आई।
आएगा ऋतुराज पक्का
जानते हैं हम सभी
पर शिशिर, हेमंत तो
सबको रुलाएगा अभी,
सभी के चेहरों में मीठी
धूप है मुस्कान लाई।।
धुंध, कोहरे से महीना
गले तक डूबा हुआ था।
और भारत इस अयाचित
बर्फ से ऊबा हुआ था।
आज चिड़ियों के
स्वरों में एक मधुरिम
तान आई।
धूप निकली है छिटक कर
जान में है जान आई।।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता में उम्मीद

हाल में युवा कवि अनुराग वत्स का पहला कविता संग्रह 'उम्मीद प्रेम का अन्न है' छपकर आया है। इसमें उनकी कई छोटी कविताओं के साथ ही आत्मकथ्य भी संकलित हैं। इस पुस्तक की कई कविताएं, प्रेमानुभूति से जुड़ी बहुत बारीक संवेदनाओं को व्यक्त करती हैं। *'बात न हो, बात की याद हो/तो वह याद ही भेज दो।'* जैसी पंक्तियां मन के भीतर ठहर सी जाती हैं। प्रेम की अनुभूति से इतर भी कुछ कविताएं, अनुराग की सूक्ष्म संवेदनात्मक दृष्टि को प्रमाणित करती हैं। इस लिहाज से 'पिता:1' कविता को देख सकते हैं, जिसमें पिता शब्द को लिखे बिना ही अनुराग, मार्मिकता से उनकी अनुपस्थिति को महसूस करते हैं। इसी तरह 'हाथ की कांप' में वह दार्शनिक लहजे में जीवन और नियति को परिभाषित करते हैं। कहा जा सकता है कि किसी वाद या वैचारिकता से मुक्त ये भावसंपन्न कविताएं, आने वाले समय में अनुराग से और बेहतर रचनाओं की उम्मीद जगाती हैं। *

पुस्तक: उम्मीद प्रेम का अन्न है (कविता संग्रह), लेखक:अनुराग वत्स, मूल्य: 150 रुपए, प्रकाशक: रुख पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

{ कहानी / शीला श्रीवास्तव }

सविता जी को इस बात की चिंता मन ही मन में सताए हुए थी कि बेटे रवि की शादी के बाद उनका प्यार बंट जाएगा। वह पत्नी का साथ पाकर उनसे दूर हो जाएगा। इसलिए वह उसकी शादी टाल रही थीं। मां के आगाध प्रेम पर केंद्रित दिल को छूती कहानी।

अलगाव

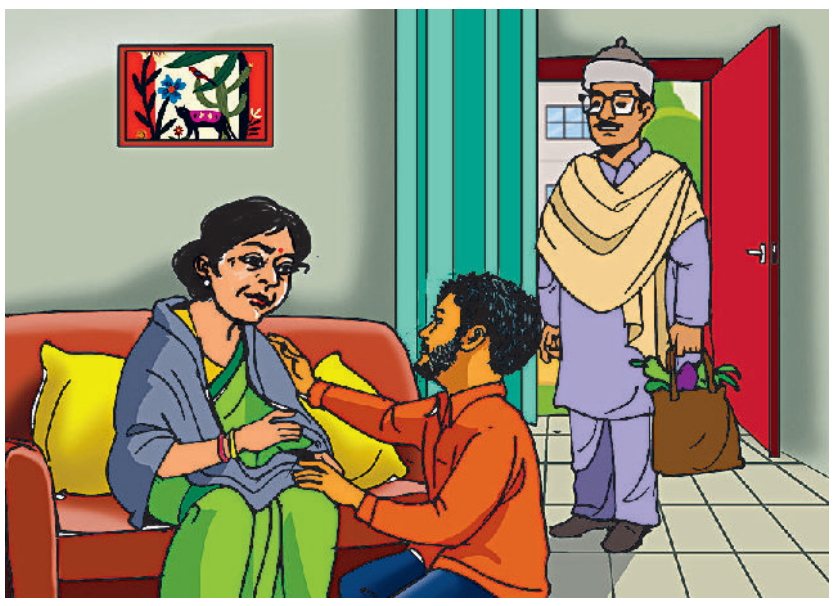

मंदिर से आकर सविता जी धम्म से सोफे पर बैठ गईं। पति जयप्रकाश जी ने धीमे स्वर में पूछा, 'क्या बात है भाग्यवान, मूड क्यों खराब है?'

'पता नहीं, लोगों को क्या पड़ी है, जो बार-बार हमारे बेटे रवि की शादी के बारे में पूछते हैं। अरे, नहीं करनी मुझे रवि की शादी। शादी के बाद वह भी हमसे अलग हो जाएगा।' सविता जी कुढ़ते हुए बोलीं।

'तुम स्वार्थी हो गई हो रवि की मां। अपने स्वार्थ के लिए तुम अपने बेटे को सदा के लिए कुंवारा रखना चाहती हो।' जयप्रकाश जी गंभीर स्वर में बोले।

'आपको जो समझना है, समझिए।' दोनों पति-पत्नी में बहस चल ही रही थी, तभी रवि आ गया। उसके आते ही दोनों ऐसे हंस-हंसकर बातें करने लगे, जैसे उनके बीच कोई हास-परिहास चल रहा हो।

दरअसल, रवि अपनी मां के मन से अनभिज्ञ अपनी एक कुलीग सुजाता से प्यार कर बैठा। एक दिन सकुचाते-सकुचाते उसने अपने दिल की बात अपनी मां से कह ही दी। सविता जी को जैसे झटका-सा लगा। वह जड़वत रह गईं। तभी रवि ने मां को झकझोरते हुए पूछा था, 'क्या सोच रही हो मां?'

'कुछ नहीं बेटा, शादी की अभी इतनी जल्दी क्या है? अभी छब्बीस की ही तो उम्र है तुम्हारी।' सविता जी अपनी भावनाओं को छुपाते हुए बोली थीं।

बस उसी दिन से रवि उदास रहने लगा। सविता जी अपने बेटे के उदासी के कारण को अच्छी तरह जानती थीं, लेकिन वह अपनी शंकाओं से मुक्त भी तो नहीं हो पा रही थीं।

एक दिन वह अपने बेटे रवि के सिर पर हाथ फेरते हुए बोलीं, 'काश! तू हमेशा बच्चा ही रहता तो कितना अच्छा होता, लेकिन अब तू बड़ा हो गया है। तुझे मां की नहीं बल्कि एक जीवन संगिनी की जरूरत है...।' लेकिन सविता जी ने वाक्य अधूरा ही छोड़ दिया। उनकी आवाज बीच में ही भर आई थी, आंखों से मोटे-मोटे आंसू टपक पड़े।

रवि अपनी मां के आंसुओं का मतलब नहीं समझ पाया, इसलिए आश्चर्य और प्रश्न भरी नजरों से मां को निहारने लगा। तभी जयप्रकाश जी ने बात संभाली, 'अरे बेटा, तुम्हारी मां डरती है कि शादी के बाद कहीं तुम्हारा प्यार बंट ना जाए।'

'ओफ्फ हो मां.. तुम भी न, कुछ भी सोचती रहती हो।' रवि हंसते हुए बोला।

रवि के ऑफिस जाने के बाद जयप्रकाश जी ने सविता जी को समझाया, 'देखो रवि की मां, हम मां-बाप को अपना फर्ज निभाना चाहिए। अब आगे चलकर बेटा-बहू हमें पूछें या ना पूछें, यह उनकी मर्जी। अपने स्वार्थ में अंधे होकर हम अपने बच्चों की खुशियों को दांव पर तो नहीं लगा सकते ना।'

जयप्रकाश जी एक पल रुक कर आगे बोले, 'अच्छा बताओ, तुम्हें ज्यादा खुशी किस बात में होगी, जब रवि कुंवारा रहकर दुखी मन से हम लोगों की सेवा करेगा या फिर अपने जीवन साथी के साथ खुशहाल जिंदगी जिएगा?'

'हां, मैं स्वार्थी हो गई थी। मेरे लिए तो मेरे बेटे की खुशी से बढ़कर कुछ और नहीं होना चाहिए। यह सही नहीं है।' सविता जी को अपने पति की बात अच्छे से समझ में आ गई थी।

दूसरे ही दिन सविता जी अपना घुटना लेकर बैठ गईं।

'क्या हुआ मां, घुटने में दर्द हो रहा है क्या?' रवि ने पूछा।

'हां रे, बहुत दर्द हो रहा है। अब मुझसे ज्यादा काम नहीं होता। ऐसा कर तू शादी कर ले।' सविता जी झूठ-मूठ दर्द से कराहती हुई बोलीं।

'क्या मां, कभी तुम कुछ बोलती हो तो कभी कुछ।' रवि सहज स्वर में बोला। जयप्रकाश जी अपनी पत्नी के बहाने को अच्छी तरह समझ रहे थे, इसलिए तपाक से बीच में बोल पड़े, 'अब तुम्हारी मां सठिया गई हैं बेटा। बहू आ जाएगी तो इनको सहारा मिल जाएगा।'

'ऐसी बात है तो मैं कल ही लड़की वालों को घर पर बुलाता हूं।' रवि खुशी से चहकते हुए बोला तो सविता जी की आंखें भर आईं। इस बार उनकी आंखों में स्नेह के आंसू थे।

जयप्रकाश जी ने राहत की सांस ली। *

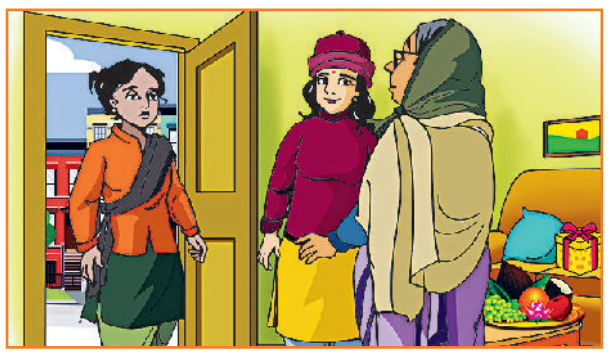

{ लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा }

त्योहारी शगुन

श्वेता संक्रांति के पर्व पर दिए जाने वाले शगुन को सगे-संबंधियों और आस-पड़ोस की महिलाओं के बजाय मेड सर्वेंट्स को देती रही है। आज त्योहार के दिन सुबह-सुबह शगुन सामग्री बांटने की तैयारी में जुटी श्वेता को सासू मां ने टोका। सुहाग से जुड़ी चीजें अपनी बराबरी वालों को देने की सलाह देतीं, सासू मां के आपत्ति जताने पर उसने सहज भाव से कहा, 'इसमें बराबरी कैसी मां? यूं इस पर्व पर स्नेह स्वरूप भेंट देने की रीत पुण्य कमाने से ज्यादा परवाह के भाव से जुड़ी है। परवाह की सोच प्रेम की डोर से बंधी है। प्रेम का आधार किसी के जीवन को सहज बनाना है। सहजता किसी की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को समझकर मदद करने की श्रद्धा से जुड़ी है।' 'अच्छा ठीक है...ठीक है।' कहते हुए सासू मां ने मुस्कुराते हुए हामी भरी। फिर थोड़ी गंभीर होकर बोलीं, 'हां, बात तो सही है। आपस में लेना-देना करने से तो इस रीत के मायने ही बदल गए। यह रिवाज बना तो सौगात स्वरूप एक-दूजे का जीवन सहज बनाने वाले सामान देने को लेकर ही है ना। समय के साथ रीत भी बदलनी ही चाहिए बहू।'

श्वेता की खुशी सासू मां का समर्थन पाकर और बढ़ गई। उसने प्यार भरे अंदाज में सूचित करते हुए कहा, 'मेरा ही नहीं, अबके बरस आपका शगुन भी ठंड के मौसम में हमारा जीवन सहज-सुविधाजनक बनाने वाली मेड सर्वेंट्स को देंगे मां।'

त्योहार के दिन घर के स्नेहमयी परिवेश में इस बात पर लगा दोनों का ठहाका डोर बेल बजते ही रुका। कड़कड़ाती ठंड में श्वेता ने ठिठके हाथों से दरवाजा खोला तो पिछले साल त्योहारी सौगात में दी स्वेटर पहने उनकी घरेलू सहायिका खड़ी थी। उसके भीतर आते ही सास-बहू ने मानवीय अनुभूतियों भरी मुस्कुराहट संग एक-दूजे की ओर देखा और शगुन की सामग्री पर जा टिकी उनकी आंखें संवेदनाओं की नमी से भीग गईं। आसमान तक छाई रंग-बिरंगी त्योहारी रौनक में आज दो पीढ़ियां परवाह के भाव से उपजे सार्थक परिवर्तन की साक्षी बनीं, विचार के बदलाव से आए व्यावहारिक परिणाम को देख रही थीं। *

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

जीवन में सफल होने के लिए 'साइंस ऑफ सक्सेस' के बारे में पता होना जरूरी है। वास्तव में यह अपने सपने या लक्ष्य को पाने की दिशा में स्टेप बाई स्टेप की जाने वाली एक प्रक्रिया होती है। साइंस ऑफ सक्सेस क्या है और इसे जीवन में लागू करने के लिए क्या, कैसे कर सकते हैं, जानिए।

क्या आप जानते हैं साइंस ऑफ सक्सेस

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर }

मशहूर अमेरिकी लेखक नेपोलियन हिल की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब 'थिंक एंड ग्रो रिच' में साइंस ऑफ सक्सेस का जो फॉर्मूला बताया गया है। इसके मुताबिक अगर आप सफल होना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाएं। लगातार ध्यान में बने रहना ही 'साइंस ऑफ सक्सेस' है। इसे सीखने के लिए कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा।

बनाएं प्रॉपर वर्क प्लानिंग

यह सच है कि खुद को अपने लक्ष्य के प्रति फोकस्ड बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। यह चुनौती तभी सधती है, जब आप इसके लिए एक स्पेशल प्लानिंग बनाएं और उसे अपनाएं। इसके लिए अपने साथ एक ऐसी पॉकेट डायरी रखनी चाहिए, जिसमें आपके लक्ष्य लिखे हों और उन्हें दिन में कई बार निकालकर देखते रहें। अपने ज्यादातर काम आप तब करें, जब ऊर्जा से लबालब हों। और हां, किसी भी काम को करने से पहले ही उस काम का एक शेड्यूल बना लें और उन्हें पार्ट्स में डिवाइड कर लें। साथ ही शोर-शराबे से दूर रहने का इंतजाम करें। जो चीजें या कंडीशंस, बार-बार आपको लक्ष्य से भटकाएं, उनको अपने से दूर रखें, विशेषकर मोबाइल फोन।

मन को हमेशा फोकस्ड रखें

वैसे अपने काम में ध्यान केंद्रित करने के एक नहीं कई तरीके हो सकते हैं। ये तरीके तभी कारगर होते हैं, जब आप अपने मन को केंद्रित करने की कोई कारगर तरीका अपनाएं। दूसरे शब्दों में, अपने काम पर फोकस करने के लिए मन की एकाग्रता जरूरी है। हर दिन के लिए निर्धारित काम अगर आप उसी दिन कर लेते हैं, तो ना सिर्फ काम में लगातार मन लगा रहता है बल्कि यह आपको उत्साहित भी करता है। दिन में काम शुरू करने के पहले मन ही मन एक तात्कालिक लक्ष्य भी निर्धारित करें और उस लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने की कोशिश करें। आपका मन बेहतर तरीके से किसी काम में तभी लगता है, जब आप अपने विचारों और भावनाओं को भी अपने लक्ष्य के साथ जोड़ लेते हैं। इससे मन और मस्तिष्क में दो अलग-अलग धाराएं नहीं रहती हैं।

शुभचिंतकों से लें प्रेरणा

दुनिया में जितने भी सफल लोग हुए हैं, उन सबके पास अपना फंडामेंटल साइंस ऑफ सक्सेस होता है। इसका दूसरे शब्दों में मतलब यह होता है कि साइंस ऑफ सक्सेस कोई निश्चित और तकनीकी रूप से एक ही डेफिनिशन नहीं होती, बल्कि आप जिस भी तरह से खुद को बेहतर परफॉर्म करने के लिए रेडी कर सकें, वही साइंस ऑफ सक्सेस का सबसे ठोस तरीका और फॉर्मूला होता है। कुछ लोग अपने लक्ष्य को हासिल करने में तब तक सफल नहीं होते, जब तक उन्हें किसी अन्य से इस मामले में जबरदस्त प्रेरणा ना मिले। अगर आप भी ऐसे लोगों में शामिल हैं तो अपने ऐसे शुभचिंतकों से मिलते रहें, जो आपको लगातार सफल होने के लिए प्रेरित करते रहें।

अपने मूल्य बरकरार रखें

सफल होने का एक प्रमुख सूत्र यह भी है कि आप जहां पर सक्रिय हों, वहां महत्वपूर्ण माने जाएं। यानी आपकी भूमिका

अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण होनी चाहिए। अगर आप अपनी मौजूदगी में महत्वपूर्ण नहीं होते तो आपके लिए किसी भी लक्ष्य को पाना आसान नहीं होता है।

रिस्क लेने से ना डरें

कुछ लोग जीवन में इसलिए भी सफल नहीं हो पाते, क्योंकि असफलता के डर से वे कभी कोई प्रयोग नहीं करते, कोई रिस्क नहीं लेते। जब आप ऐसा करते हैं तो सफल होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। कहने का मतलब है, मनचाही सफलता पाने के लिए आपको जोखिम लेना भी सीखना होगा और गलतियां करने का साहस भी करना होगा।

महत्वाकांक्षी लोगों के साथ रहें

अगर आप ऐसे लोगों के साथ रहते हैं, जो आपकी तरह ही महत्वाकांक्षी हों, आपकी तरह ही सफल होने के सपने देखते हों और आपकी तरह ही उनके अपने लक्ष्य हों तो इसका भी फायदा आपको मिलता है। ऐसे लोगों के आस-पास होने से आप लगातार प्रेरित होते रहते हैं और जिस भी क्षेत्र में होते हैं, वहां सफलता पाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

इस तरह यहां बताई गई बातों को अगर आप अमल में लाते हैं तो आपको सफल होने से कोई रोक नहीं सकता है।*

समुद्र तट पर नमकीन सौंदर्य की छटा रण ऑफ कच्छ

गुजरात राज्य के तटीय जिले कच्छ में स्थित रण ऑफ कच्छ, अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व प्रसिद्ध है। हर वर्ष नवंबर से फरवरी के मध्य यहां आयोजित होने वाले रण उत्सव में देश-विदेश के पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। रण ऑफ कच्छ और रण उत्सव की खासियतों पर एक नजर।

{ टूरिस्ट स्पॉट / देवेंद्रराज सुथार }

अपने देश के गुजरात राज्य में स्थित कच्छ का रण ना केवल अपने प्राकृतिक वैभव के लिए जाना जाता है, बल्कि स्थानीय कलाकारों द्वारा आयोजित रण उत्सव के लिए भी काफी लोकप्रिय है।

कच्छ के रण की प्राकृतिक स्थितिः कच्छ का रण दिखने में बहुत आकर्षक लगता है। इसके निर्माण की प्रक्रिया प्रकृति स्वयं नियंत्रित करती है। हर वर्ष गर्मियों के बाद मानसून के आगमन के साथ ही कच्छ की खाड़ी का पानी इस रेगिस्तान में आ जाता है, जिससे सफेद रण जुलाई से नवंबर के बीच एक विशाल समुद्र जैसा दिखाई देने लगता है। लगभग 26 हजार वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैला कच्छ का रण सिकंदर के समय में एक नौगम्य झील हुआ करती थी। अब यह दो भागों में बंट गया है। उत्तरी रण यानी ग्रेट रण ऑफ कच्छ और पूर्वी रण यानी लिटिल रण ऑफ कच्छ। यहां का तापमान गर्मियों में 44 से 50 डिग्री तक बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में शून्य से नीचे चला जाता है।

कच्छ के रण का इतिहासः ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार कच्छ पर पहले सिंध के राजपूतों का शासन हुआ करता था, लेकिन बाद में जडेजा राजपूत राजा खेंगरजी के समय भुज को कच्छ की राजधानी बना दिया गया। सन् 1741 में राजा लखपतजी कच्छ के राजा बने। 1815 में अंग्रेजों ने डूंगर पहाड़ी पर कब्जा कर लिया और कच्छ को ब्रिटिश जिला घोषित कर दिया गया। ब्रिटिश शासन काल में ही कच्छ में रंजीत विलास महल, मांडवी का विजय विलास आदि महल भी बनवाए गए।

भारत को मिला कच्छ का रणः आज कच्छ के रण का अधिकांश भाग भारत के गुजरात में है, जबकि कुछ भाग पाकिस्तान में है। अप्रैल 1965 में रण के पश्चिमी छोर पर भारत-पाक सीमा को लेकर लड़ाई छिड़ गई थी। बाद में ब्रिटेन के हस्तक्षेप से यह युद्ध खत्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र के तत्कालीन महासचिव द्वारा सुरक्षा परिषद को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर इस विवादित मामले को ट्रिब्यूनल को भेजा गया। ट्रिब्यूनल ने 1968 में फैसला सुनाया कि रण का 10 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान के पास और 90 प्रतिशत हिस्सा भारत के पास रहेगा। इस तरह एक साल बाद 1969 में कच्छ के रण का विभाजन हो गया।

आकर्षक होता है रण उत्सवः हर साल 8 से 10 लाख पर्यटक नवंबर से फरवरी तक आयोजित होने वाले कच्छ रण उत्सव को देखने, चांदनी रात के खुले आसमान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने, के लिए यहां आते हैं। यहां पर्यटकों को कई तरह की कलाओं और उनमें दक्ष लोगों से रूबरू होने का मौका मिलता है। रण उत्सव के दौरान कई कलाकार अपनी कला के जरिए रेत पर भारत के इतिहास की झलक दिखाते हैं। पिछले कई वर्षों में रण उत्सव के दौरान कलाकारों ने रामायण से लेकर स्वामी विवेकानंद की कच्छ यात्रा तक के पात्रों को अपनी कला में प्रदर्शित किया है। यहां आकर स्थानीय लोगों की जीवनशैली और हस्तशिल्प कला से भी रूबरू हो सकते हैं। रण उत्सव के दौरान भुज से पांच किमी. दूर रण मैदान के मध्य धोरडो गांव के पास एक पर्यटक शिविर लगाया जाता है, जहां देशी-विदेशी पर्यटकों को सभी सुविधाओं के साथ ठहराया जाता है। यहां आप डेजर्ट पेट्रोलिंग व्हीकल पर रेगिस्तान में सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। इतना ही नहीं, इस रेगिस्तान में आपको लोमड़ी और राजहंस की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिलेंगी। भुज के पास भुजोड़ी नाम का एक गांव है, जहां वानकर समुदाय के लगभग 1,200 कारीगर रहते हैं। ये लोग यहां कपड़ा और हस्तशिल्प इकाइयों में काम करते हैं। यहां बुनकरों, ब्लॉक प्रिंटर और टाई-डाई कलाकारों से मिलने और उनके शिल्प के बारे में जानने का मौका मिलता है।

ऐसे पहुंचें कच्छ के रणः भुज, कच्छ के रण के बहुत करीब है। सभी प्रमुख शहरों के हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों से यहां आया जा सकता है। भुज से रण की दूरी सिर्फ 80 किमी है। आप चाहें तो भुज से गुजरात टूरिज्म बस की सुविधा भी ले सकते हैं, जो आपको सीधे कच्छ के रण तक ले जाएगी। अगर आप फ्लाइट से आना चाहते हैं, तो बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, तिरुवनंतपुरम और गोवा से सीधी फ्लाइट भुज एयरपोर्ट के लिए चलती हैं। अगर आप ट्रेन से कच्छ जाना चाहते हैं, तो भुज एक्सप्रेस और हजरत एक्सप्रेस दिल्ली से चलती हैं। अगर आप सड़क मार्ग से आना चाहते हैं, तो दिल्ली, मुंबई, पुणे और जोधपुर से कच्छ के रण तक पहुंच सकते हैं।*

कई तरह से फायदेमंद बादाम का पेड़

{ जानकारी / वीना गौतम }

बादाम एक मेवा है, मेवा यानी सूखा फल। बादाम को अंग्रेजी में ऑल्मंड, संस्कृत में वाताद या वातवैरी, हिंदी, मराठी, गुजराती और बांग्ला में बादाम और फारसी में बदाम शोरी कहते हैं। बादाम का पेड़ 4 से 12 मीटर तक ऊंचा होता है। बादाम के पेड़ में गुलाबी, सफेद फूल लगते हैं, फिर इन्हीं में फल बनता है।

अमेरिका में सर्वाधिक उत्पादनः जहां तक बादाम उत्पादन की बात है, तो अमेरिका इसमें पहले स्थान पर है। दुनिया में बादाम की कुल आपूर्ति का 80 प्रतिशत अमेरिका के कैलीफोर्निया से होती है।

भारत में बादाम की खेतीः भारत में बादाम उत्पादन सबसे ज्यादा जम्मू-कश्मीर में होता है। भारत में पैदा होने वाले कुल बादाम का 85 फीसदी हिस्सा जम्मू-कश्मीर से ही आता है। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, गांदरबल और बारामूला जिले बादाम के प्रमुख उत्पादक हैं। भारत में शेष पैदा होने वाले बादाम में से करीब 8 फीसदी हिमाचल प्रदेश, लद्दाख में होता है।

बढ़ रही बादाम की मांगः आयुर्वेद में बादाम को बुद्धि और नसों के लिए गुणकारी बताया गया है। जैसे-जैसे दुनिया भर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजगता आ रही है, बादाम की मांग बढ़ती जा रही है।

कमाई का बेहतरीन विकल्पः अमूमन बादाम 600 रुपए प्रति किलो से कम का नहीं मिलता और अच्छी क्वालिटी वाले बादाम की कीमत 1,000 रुपए प्रति किलो होती है। इसीलिए किसानों के लिए बादाम की खेती ज्यादा फायदेमंद होती है, इसलिए देश के कई हिस्सों में बादाम के पेड़ लगाने के प्रति किसान अधिक आकर्षित हो रहे हैं। एक बार बादाम का पेड़ तैयार हो जाए तो यह 50 साल तक फल देता है।*

विशेषः मकर संक्रांति

{ सिने-जगत / अशोक जोशी }

मकर संक्रांति के अवसर पर खूब उत्साह-उमंग से पतंग उड़ाई जाती है। हिंदी फिल्मों में इस पर्व को तो नहीं, लेकिन पतंग के टाइटल वाली फिल्में और उस पर आधारित गीत खूब बनते रहे हैं। पतंग टाइटल वाली कुछ चर्चित फिल्मों और गीतों पर एक नजर।

सिनेमा-पर्दे पर भी खूब उड़ी हैं पतंगें

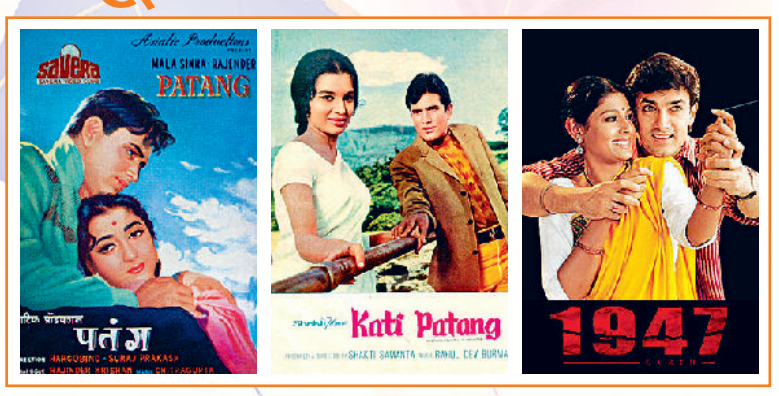

मकर संक्रांति का त्योहार पूरे देश में मनाया जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत में बड़े ही धूमधाम से इसे लोग मनाते हैं। इस दिन दान-स्नान के साथ ही पतंग उड़ाने की परंपरा भी है। इसी वजह से मकर संक्रांति को पतंग पर्व के रूप में भी जाना जाता है। पतंगबाजी ने ना केवल समाज में लोकप्रियता बटोरी बल्कि सिनेमा के पर्दे पर भी पतंगें खूब उड़ी हैं। फिल्मों के पतंग के टाइटल से लेकर इस पर आधारित गाने लोगों के दिलों में बसे हैं। आज भी मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग से जुड़े गीतों को बजाया-गुनगुनाया जाता है।

पतंग टाइटल वाली फिल्में

1960 में 'पतंग' नाम से एक फिल्म आई थी। इस फिल्म में राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा, राज मेहरा, मनोरमा और अचला सचदेव ने काम किया था। फिल्म का नाम 'पतंग' क्यों रखा यह तो निर्माता ही जाने, लेकिन इस फिल्म में पतंग पर आधारित एक गीत 'यह दुनिया पतंग नित बदले हैं रंग' था। जिसे एक बार सुखद और दूसरी बार दुखद भाव में फिल्माया गया था। इसके बाद फिल्मों में पतंग पर आधारित गीत और प्रसंग तो आते रहे लेकिन शीर्षक से पतंग नदारद हो गई। 11 साल बाद फिल्म 'कटी पतंग' ने इस सूनेपन को समाप्त किया। फिल्म की नायिका की स्थिति को चित्रित करने वाले शीर्षक की यह फिल्म, राजेश खन्ना और आशा पारेख के अभिनय और आरडी बर्मन के मधुर संगीत की वजह से खूब चली। इस फिल्म में एक गीत 'ना कोई उमंग है...' के दौरान उड़ती पतंग इस फिल्म में पर्दे पर दिखाई भी दी।

रील-रियल लाइफ में पतंगबाज एक्टर

ऐसा कहा जाता है कि बॉलीवुड में दिलीप कुमार ऐसे अभिनेता थे, जिनको पतंग उड़ाने में महारत हासिल थी। जब वह अपने घर की छत पर पतंग

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान खान

उड़ाते थे तो बॉलीवुड के कई नामी निर्माता उनके पतंग के साथ डोर की चरखियां थामने को बेकरार रहते थे। इसी तरह सलमान खान ने भी ना केवल वास्तविक जीवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी(जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे) के साथ पतंग उड़ाई है, बल्कि फिल्म 'सुल्तान' में पतंग लूटने के दृश्य में भी वे नजर आए हैं। उन्होंने फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में ऐश्वर्या राय के साथ प्यार की पतंग खूब उड़ाई थी।

पतंग पर आधारित गीत

जहां तक गानों की बात है तो हिंदी फिल्मों में पतंगों पर भी कई गाने बने और हिट हुए हैं। पतंग पर आधारित गीतों का सिलसिला 1949 में प्रदर्शित फिल्म 'दिल्लगी' से शुरू हुआ। फिल्म का गीत 'मेरी प्यारी पतंग चली बादलों के संग' तब बहुत लोकप्रिय हुआ था। इसके बोल ऐसे दिल में उतरने वाले थे कि उस दौर में पतंग उड़ाते समय लगभग हर युवा यही गीत गुनगुनाते दिखाई पड़ता था। ऐसा ही एक गीत 'चली चली रे पतंग मेरी चली रे' सन् 1957 की फिल्म 'भाभी' में जगदीप और नंदा पर फिल्माया गया था। फिल्म में पतंग उत्सव को प्रदर्शित करता यह गीत आज भी मकर संक्रांति पर टीवी चैनल और रेडियो पर सुनाई दे जाता है।

नए दौर में फिल्म 'रईस' का सुखविंदर और भूमि त्रिवेदी का गाया गीत 'उड़ी-उड़ी जाए' पतंग महोत्सव का मजा देते हुए झूमने पर मजबूर कर देता है। फिल्म 'काई पो छे!' का 'मांझा' गीत में जिंदगी के एक नए नजरिए को दिखाने की कोशिश की गई। इसके जरिए जिंदगी, रिश्ते और जज्बे की दास्तां बयां की गई।

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढील दे दे रे भइया' गीत पतंग उड़ाने के दौरान अकसर लोगों के मुंह से निकल ही जाता है। यह गाना काफी लोकप्रिय भी हुआ था। फिल्म 'अर्थ' के गीत 'रुत आ गई रे' में आमिर खान फिल्म की नायिका को पतंग उड़ाना सिखाते दिखते हैं। यह एक रोमांटिक गीत है, जिसे एआर रहमान ने अपनी आवाज दी है। फिल्म 'फुकरे' के गीत

फिल्म 'फुकरे' के गीत 'अंबरसरिया..' का एक सीन

'अंबरसरिया' में भले ही पतंग शब्द का जिक्र ना हुआ हो लेकिन इसमें पतंगबाजी के दौरान होने वाली अठखेलियों को बड़े ही मजेदार ढंग से दर्शाया गया है। पतंग पर अपनी प्रेमिका को प्यार भरा मैसेज लिखकर भेजना दर्शकों को उस दौर में ले जाता है, जब छतों पर पतंगों के जरिए प्यार हुआ करता था।

जिन फिल्मों में पतंग शीर्षक या पतंग पर आधारित गीत नहीं होते हैं उन फिल्मों में पतंगबाजी के दृश्यों ने दर्शकों को लुभाया है। उनमें से एक फिल्म 'दिल्ली 6' है, जिसमें पतंग के जानदार दृश्य देखने को मिले।*

{ सोशल इश्यू / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश' }

यह बेहद चिंताजनक बात है कि बाजार की चमक-दमक के जाल में हमारे नौनिहाल फंसते जा रहे हैं। ऐसे में पैरेंट्स ही नहीं सारे समाज को सजग रहने की जरूरत है।

बहुत चिंताजनक है बचपन का बाजारीकरण

अगर यह कहा जाए कि वैश्वीकरण के मौजूदा दौर में सारा देश-समाज बाजार में तब्दील होने लगा है तो गलत नहीं होगा। चिंताजनक बात यह है कि इस बदलाव ने बचपन का भी बाजारीकरण करना शुरू कर दिया है। इसी का परिणाम है कि बच्चों के लिए उपयोगी वस्तुओं के साथ फ्रिज, वाशिंग मशीन, बाइक, कार, फर्नीचर जैसी महंगी खरीददारी में भी बच्चे बाजार के अनुकूल अपनी सहमति देने लगे हैं। मजे की बात यह कि अधिकांश मां-बाप को शायद ही इसका रंच मात्र आभास हो कि उनके बच्चों को करोड़ों की खरीद-फरोख्त के बाजारू जाल में फंसाया जा चुका है।

विज्ञापनों की बड़ी भूमिकाः सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार, बच्चों को बाजार के चंगुल में फंसाने में टेलीविजन और विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों का बड़ा हाथ है। सूचना माध्यमों का विज्ञापन एक तरीका है, जो हमारी आवश्यकताओं के अनुसार विकल्प प्रस्तुत करते हैं, जिसमें से हम अपनी जरूरत के अनुसार वस्तुओं का चयन कर सकते हैं। लेकिन बच्चों में विवेक कम होता है। आठ-दस साल का बच्चा यह नहीं जान सकता कि टीवी पर जगमगाते विज्ञापन वास्तविकता से कोसों दूर सिर्फ वस्तु के प्रचार होते हैं।

मीडिया की सुनियोजित प्लानिंगः बाजार की ताकतें जीवन की बदलती प्राथमिकताओं और स्थितियों के बीच अपना वर्चस्व स्थापित करना जानती हैं। माता-पिता अपनी भाग-दौड़ भरी जिंदगी के कारण बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। परिणामतः बच्चे अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। वह अपना अकेलापन बांटने के लिए निरंतर टीवी चैनलों या सोशल मीडिया के संपर्क में रहते हैं। मार्केटिंग तंत्र इसका पूरा फायदा उठाने में लगा रहता है। यह टीवी पर प्रसारित होने वाले उन्हीं सीरियलों को विशेष रूप से स्पांसर करता है, जिसमें पारंपरिक मूल्यों से मुक्त चमक-दमक भरी पाश्चात्य शैली की जिंदगी दिखाई गई होती है, जबकि औसत हिंदुस्तानी बच्चे का पारिवारिक परिवेश इससे एकदम अलग किस्म का होता है। लेकिन मासूम बच्चे यह अंतर नहीं समझ पाते हैं। वह टीवी वाली जिंदगी को सत्य मानकर उसे अपने जीवन में उतारना चाहता है।

इसके अलावा बच्चों का ध्यान खींचने के लिए तीन चौथाई विज्ञापनों में बच्चों से ही एक्टिंग करवाई जाती है। विज्ञापन का बच्चा, बाल दर्शकों को खूब आकर्षित करता है। वे विज्ञापन वाले बच्चे जैसा स्वयं भी दिखना चाहते हैं। इसलिए उन्हें वैसा ही स्कूल बैग, जूता, कैप, खिलौने, शर्ट वगैरह तो चाहिए ही, घरेलू समान भी विज्ञापन वाले बच्चे के मम्मी-पापा जैसा ही चाहते हैं। वास्तव में बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं।

नमिता उन्नीकृष्णन और शैलजा वाजपेयी द्वारा किए गए 'द इंपैक्ट ऑफ टीवी एडवरटाइजिंग ऑन चिल्ड्रेन' शीर्षक के अध्ययन के अनुसार, आठ से पंद्रह साल के पचहत्तर प्रतिशत बच्चे टेलीविजन विज्ञापनों में प्रदर्शित उत्पादों को हासिल करना चाहते हैं।

हम सभी बनें सजगः आधुनिक भारतीय समाज अपने अंदर विरोधाभास को समेटे हुए जी रहा है। एक तरफ संपन्नता और विलासिता में डूबे कुछेक लाख लोग और उनका पिछलग्गू बड़ा मध्यवर्ग है। दूसरी तरफ एक बहुत बड़ी आबादी जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित घुट रही है। लेकिन इस संवर्ग के बच्चे और किशोर विज्ञापनों के प्रभाव में, अपने ही आयुवर्ग के संपन्न परिवार के संतानों जैसा जीवन जीने की ललक रखने लगते हैं। इस प्रवृत्ति को दूर करने के लिए केवल चिंता जताने से कुछ नहीं होगा, सभी पैरेंट्स, समाज और नीति निर्धारकों को इस दिशा में कारगर कदम भी उठाने होंगे।*